लखनऊ

रविवार, 29 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 215

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"रोज़ाना की छोटी-छोटी मेहनत ही एक दिन बड़ी सफलता बनकर सामने आती है।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

संक्षेप

संसद से पास हुआ फाइनेंस बिल 2026, बजट प्रस्तावों को मिली कानूनी मंजूरी

नई दिल्ली। संसद ने फाइनेंस बिल 2026 को मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने इसे ध्वनि मत (वॉइस वोट) से लोकसभा को वापस भेज दिया, जिससे केंद्रीय बजट 2026-27 के प्रस्तावों को कानूनी समर्थन प्रदान करने की विधायी प्रक्रिया पूरी हो गई, जो 1 अप्रैल से शुरू होने वाले नए वित्तीय वर्ष में लागू होंगे। लोकसभा ने 25 मार्च को इस बिल को 32 संशोधनों के साथ पास किया था। इसके बाद राज्यसभा में इस पर संक्षिप्त चर्चा हुई और सांसदों के सवालों पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जवाब दिया, जिसके बाद बिल को मंजूरी दे दी गई। केंद्रीय बजट 2026-27 में कुल खर्च 53.47 लाख करोड़ रुपए रखा गया है, जो चालू वित्त वर्ष (31 मार्च तक) के मुकाबले 7.7 प्रतिशत ज्यादा है। इस बजट में बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए 12.2 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च (कैपिटल एक्सपेंडिचर) का प्रस्ताव है, जिससे अर्थव्यवस्था में विकास और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा, जो पिछले साल के मुकाबले 2.2 लाख करोड़ रुपए ज्यादा है। वित्त मंत्री ने कहा कि बड़े प्रोजेक्ट्स को तेजी से पूरा करने के लिए एक 'इन्फ्रास्ट्रक्चर रिस्क डेवलपमेंट फंड' बनाया जाएगा। उन्होंने 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटा को घटाकर जीडीपी के 4.3 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य भी रखा है। सरकार आर्थिक विकास के साथ-साथ वित्तीय स्थिरता बनाए रखने की दिशा में काम कर रही है।

बिहार स्कूल में 'वंदे मातरम' अनिवार्य, नीतीश सरकार ने जारी किया यह बड़ा आदेश

पटना, एजेंसी। केंद्र सरकार के आदेश के अनुरूप जारी किए गए नए निर्देशों के बाद, बिहार के सभी सरकारी स्कूलों में सुबह की सभाओं में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को शामिल किया जाएगा। कैबिनेट सचिवालय विभाग ने अतिरिक्त मुख्य सचिवों, संभागीय आयुक्तों और जिला मजिस्ट्रेटों सहित वरिष्ठ अधिकारियों को सभी संस्थानों में इस निर्देश का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, विद्यालयों में सुबह की प्रार्थना सभाओं के दौरान सप्ताह में कम से कम एक बार 'वंदे मातरम' गाना अनिवार्य है। राष्ट्रीय त्योहारों, सरकारी कार्यक्रमों और अन्य आधिकारिक अवसरों पर भी यह गीत गाना अनिवार्य होगा। अधिकारियों ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य शैक्षणिक और सार्वजनिक संस्थानों में राष्ट्रगान के पालन को मानकीकृत करना है। सरकार ने इस बात पर भी जोर दिया है कि राष्ट्रगान बजते समय सभी व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक खड़ा होना चाहिए और चेतावनी दी है कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनादर को गंभीरता से लिया जाएगा। अनुपालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संस्थानों के प्रमुखों पर डाली गई है, जिन्हें निर्देश के पालन की निगरानी करने के लिए कहा गया है। हालांकि, आदेश में स्पष्ट किया गया है कि फिल्म या समाचार प्रसारण के दौरान राष्ट्रगान बजते समय खड़े होने की कोई आवश्यकता नहीं है। यह निर्देश सार्वजनिक संस्थानों में राष्ट्रीय प्रतीकों से जुड़ी औपचारिक प्रथाओं को सुदृढ़ करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

संकट के समय देश को नुकसान पहुंचाने वाली बातें करने से बचें... विपक्षी पार्टियों से बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले फेज का उद्घाटन किया। साथ ही एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल का भी लोकार्पण किया है। इसके बाद उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय के नारों के साथ की। उन्होंने लोगों से कहा, अपना मोबाइल निकालकर उसकी फ्लैश लाइट जलाकर और आप इसका उद्घाटन करिए। पीएम मोदी ने कहा कि ये आपकी अमानत और आपका भविष्य है। अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी विपक्षी पार्टियों पर हमलावर दिखे। उन्होंने कांग्रेस और सपा दोनों पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि आज पूरा विश्व चिंतित हैं, पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध जारी है। युद्ध की वजह से कई सारे देशों में खाने-पीने के सामान, डीजल, खाद का संकट सामने आया है। ऐसे संकट के समय देश को नुकसान पहुंचाने वाली बातें करने से बचना चाहिए। समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'पहले सीएम नोएडा आने से डरते थे। कुर्सी जाने के डर से पहले के सत्ताधारी यहां आने से डरते थे। नोएडा को अपने हाल पर छोड़ दिया था। मुझे भी नोएडा के लिए डराया गया था। लेकिन आज भाजपा सरकार में वही नोएडा यूपी के विकास का सशक्त इंजन बन रहा है।

संकट के समय में भी भारत ने तेज विकास निरंतर जारी रखा

पीएम मोदी ने कहा, आज पूरा विश्व चिंतित है, पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध चल रहा है। युद्ध की वजह से कई देशों में खाने-पीने का सामान, पेट्रोल, डीजल, गैस, खाद जैसी कई जरूरी चीजों का चारों तरफ संकट पैदा हो गया है। हर देश इस संकट का सामना करने की कोशिश कर रहा है, और हमारा भारत भी पूरी शक्ति से इसका मुकाबला कर रहा है। देशवासियों की ताकत के भरोसे कर रहा है। भारत बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस युद्ध-प्रभावित क्षेत्रों से मंगाता है। इसलिए सरकार हर वह कदम उठा रही है, जिससे सामान्य परिवारों और हमारे किसान भाई-बहनों पर बोझ न पड़े। संकट के इस समय में भी भारत ने अपने तेज विकास को निरंतर जारी रखा है।

पीएम मोदी ने कांग्रेस और सपा पर हमला बोलते हुए कहा, 2004 से 2014 तक, यह हवाई अड्डा फाइलों में दबा रहा। फिर सपा सरकार ने काम को आगे नहीं बढ़ने दिया। लेकिन जैसे ही यहां भाजपा सरकार बनी, नींव रखी गई और अब हवाई अड्डा चालू है।

जेवर का यह एयरपोर्ट डबल इंजन की कार्य संस्कृति का बहुत अच्छा उदाहरण है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'आप सोचिए इस एयरपोर्ट को अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने 2003 में फाइल में मंजूरी दे दी थी। लेकिन एयरपोर्ट नहीं बना लेकिन केंद्र में कांग्रेस और यहां की पहली की सरकारों ने वर्षों तक इस एयरपोर्ट की नींव तक नहीं पड़ने दी। 2004 से 2014 तक ये एयरपोर्ट फाइलों में दबा रहा। जब हमारी सरकार बनी तो यूपी में सपा की सरकार थी। शुरू के 2-3 वर्षों में उन्होंने इस पर काम नहीं होने दिया, लेकिन जैसे ही यहां भाजपा-एनडीए की सरकार बनी तो जेवर एयरपोर्ट की नींव भी पड़ी और निर्माण भी हुआ और अब ये शुरू भी हो गया है।

देशभर में 160 से अधिक एयरपोर्ट संचालित

पीएम मोदी ने आगे कहा कि किसी भी देश में एयरपोर्ट सिर्फ एक सामान्य सुविधा नहीं होती। ये देश की तरक्की और एयरपोर्ट प्रगति को भी उड़ान देते हैं। साल 2014 से पहले देश में सिर्फ 74 एयरपोर्ट थे, आज 160 से अधिक एयरपोर्ट हो चुके हैं। अब महानगरों के अलावा, देश के छोटे-छोटे शहरों तक भी हवाई कनेक्टिविटी पहुंच रही है। पहले की सरकारें मानती थीं कि हवाई यात्रा सिर्फ अमीरों के लिए होनी चाहिए, लेकिन भाजपा सरकार ने सामान्य भारतीयों के लिए भी हवाई यात्रा को आसान बना दिया है।

केरल से आगे निकला UP, जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ रचा इतिहास

केरल भारत का अकेला ऐसा राज्य है जहां चार अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं। इस खासियत की वजह से केरल में अंतरराष्ट्रीय राज्यों के आने वाले यात्रियों की डिमांड ज्यादा है। इसका अहम कारण है इस राज्य का पर्यटन और खाड़ी देशों में केरल के लोगों की आबादी का बढ़ना भी। लेकिन अब जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन के बाद उत्तर प्रदेश ने केरल को इस रेस में पीछे कर दिया है। अब उत्तर प्रदेश में देश के सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे हो गए हैं। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डा है। वाराणसी में लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। कुशीनगर में कुशीनगर इंटरनेशनल एयपोर्ट है। अयोध्या में महार्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। इसके बाद आज जेवर इंटरनेशलन एयरपोर्ट के पहले स्टेज के उद्घाटन के बाद यहां 5 इंटरनेशल एयरपोर्ट हो गए हैं।

जेवर एयरपोर्ट की खासियत?

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि जेवर में बनने वाला नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट एशिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा होगा। यहां आज पीएम मोदी ने पहले स्टेज का उद्घाटन किया। इसकी लागत 11,282 करोड़ रुपये है। इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए 29,560 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत लग सकती है। इस प्रोजेक्ट का मकसद जेवर को उत्तरी भारत के लिए एक बड़ा एविएशन हब बनाना है।

एनडीए की डबल इंजन सरकार के लिए फिर तैयार है राज्य : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। असम विधानसभा चुनाव से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राज्य की पिछले एक दशक की प्रगति की सराहना की और भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की निरंतर सफलता पर विश्वास व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि असम दो इंजन वाली एनडीए सरकार के पांच और वर्षों के लिए तैयार है। 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत संवाद - असम' पहल के तहत, प्रधानमंत्री 30 मार्च को दोपहर 1 बजे NaMo ऐप पर एक वर्चुअल रैली के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं और असम की जनता से जुड़ेंगे।

एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि पिछले एक दशक में असम की प्रगति सबके सामने है। राज्य सभी क्षेत्रों में विकास के लिए जाना जाता है। इसलिए, असम का रुख स्पष्ट है - एनडीए सरकार ही सत्ता में है। लोग दो इंजन वाली एनडीए सरकार के पांच और वर्षों के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पोस्ट में लिखा था कि मैं 30 तारीख की दोपहर को 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत संवाद - असम' में भाग लूंगा।

राज्य भाजपा ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से इस अनोखी और संवादात्मक पहल में भाग लेने के लिए ऐप डाउनलोड करने और पंजीकरण करने का आग्रह किया है। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में यह कहा गया है कि आगामी असम विधानसभा चुनावों पर दृढ़ ध्यान केंद्रित करते हुए, राज्य भारतीय जनता पार्टी माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील और दूरदर्शी जनसंपर्क के माध्यम से जनता का ध्यान आकर्षित करने के लिए तैयार है। जनसभाओं में अपने निरंतर जनसंपर्क कार्यक्रमों के क्रम में, माननीय प्रधानमंत्री 30 मार्च को दोपहर 1:00 बजे पार्टी कार्यकर्ताओं और असम की जनता से प्रत्यक्ष रूप से संवाद करेंगे।

इस संबंध में, राज्य भाजपा सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और असम के नागरिकों से 'NaMo ऐप' डाउनलोड करने और उस पर पंजीकरण करने का आग्रह करती है, ताकि वे इस अनूठी और संवादात्मक पहल का अभिन्न अंग बन सकें। भारत निर्वाचन आयोग ने घोषणा की है कि सभी 126 विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान 9 अप्रैल को एक ही चरण में होगा, जबकि मतगणना 4 मई को होगी।

मुख्यमंत्री योगी का विपक्ष पर बड़ा हमला, बोले- कांग्रेस-सपा ने यूपी के विकास को सालों तक रोका था

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईंधन पर उत्पाद शुल्क में हाल ही में की गई कटौती के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की और इसे राज्य भर के नागरिकों और व्यवसायों के लिए एक स्वागत योग्य राहत बताया। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी, पिछले 11-12 वर्षों में आपने 'नए भारत' को 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर अग्रसर करने के लिए हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा इस यात्रा का एक अहम हिस्सा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोग अब वैश्विक विमानन मानचित्र पर देश को एक नई दिशा प्रदान कर रहे हैं, जो आपके विज़न को साकार कर रहा है... कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसी पार्टियों ने अपनी अक्षमता के कारण देश और राज्य दोनों को विकास के अवरोध में डाल दिया। 2002 से 2017 तक उत्तर प्रदेश लगातार इस कलंक को झेलता रहा और इस तरह के ठहराव का शिकार रहा। हालांकि, पिछले 12 वर्षों में देश और पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने हमारी 'दोहरी इंजन सरकार' के नेतृत्व में जो तीव्र विकास देखा है, उसके कारण हम इन अवरोधों को तोड़ते हुए विश्व के सामने एक नई पहचान प्रस्तुत कर रहे हैं। मीडिया को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री योगी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी दलों पर उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास को ऐतिहासिक रूप से धीमा करने वाली बाधाएं पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में नीतिगत देरी और प्रशासनिक अड़चनों ने विकास में बाधा डाली थी, और परियोजनाओं के तेजी से क्रियान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए वर्तमान केंद्र और राज्य प्रशासन की प्रशंसा की।

'बंगाल से होगी बीजेपी के अंत की शुरुआत... दिल्ली में मिलेगी चुनौती', ममता बनर्जी का बड़ा हमला

, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को रानीगंज में रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने बीजेपी पर कई संगीन आरोप लगाए। ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा अवैध कोयला खदानों से धन लेती है और तृणमूल कांग्रेस पर चोर होने का आरोप लगाती है। बीजेपी ने उनकी सारी शक्तियां छीन ली है। उन्होंने लोगों को आगाह करते हुए कहा कि भाजपा अगर सत्ता में आती है तो वो बुल्डोजर चलाएंगे और सभी को बाहर निकाल देंगे। उन्होंने कहा सब एकजुट होकर टीएमसी का साथ दो, इसी बंगाल से भाजपा का अंत होगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद के रघुनाथगंज में राम नवमी शोभायात्रा के दौरान हुई झड़पों का उल्लेख करते हुए सवाल किया कि कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा कि मुझे दोष मत दो उनके सभी अधिकार छीन लिए गए हैं। सभी अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। बीजेपी के लोगों को यहां भेजा गया। लेकिन उन्हें नहीं पता है कि जीत हमारी होगी। ममता ने कहा कि बीजेपी को रघुनाथगंज में दंगे भड़काए जाने पर शर्म आनी चाहिए। बीजेपी ने अपने अधिकारियों को इसलिए भेजा है कि दंगे भड़काए जा सकें। रघुनाथगंज में दुकानों में तोड़फोड़ की गई। किसी के घर में तोड़फोड़ करने का अधिकार तुम्हें किसने दिया? रघुनाथगंज में दंगे भड़काने का अधिकार तुम्हें किसने दिया? न सबका हिसाब लिया जाएगा।

ममता बनर्जी ने कहा कि एक लक्ष्मण रेखा होती है, लेकिन भाजपा सारी हदें पार कर रही है। उन्होंने कहा कि बीजेपी पश्चिम बंगाल को बर्बाद करने की कोशिश में पूरे देश की सत्ता को खो देगी। ये उनके साथ होकर रहेगा। ममता बनर्जी ने साफ संकेत दिया कि उनका लक्ष्य सिर्फ बंगाल तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि वह विपक्षी दलों को एकजुट कर दिल्ली में भी भाजपा को चुनौती देंगी। इससे साफ है कि आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति में भी टकराव और तेज हो सकता है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, "मेरे लोग भी रामनवमी, दुर्गा पूजा, काली पूजा, छठ पूजा, क्रिसमस और ईद मनाते हैं। हम सभी धर्मों और जातियों के लोगों के साथ मिलकर मनाते हैं, चाहे वे हिंदू हों, मुस्लिम हों, ईसाई हों, सिख हों या पारसी।

जितना रोना है, रो-धो लो...ममता सरकार के खिलाफ अमित शाह ने जारी की चार्जशीट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमित शाह ने बंगाल में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ममता जी से कहना चाहता हूं, जितना रोना है, रो-धो लो... हम चुन-चुनकर एक-एक घुसपैठिए को न सिर्फ मतदाता सूची से निकालेंगे, बल्कि देश से बाहर भी करेंगे। बंगाल में चुनाव की घोषणा हो चुकी है।

हमारे प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में सभी भाजपा कार्यकर्ता भाजपा सरकार बनाने के संकल्प के साथ बंगाल में उतरे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी बंगाल का यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। पूरे पूर्वी क्षेत्र की सुरक्षा बंगाल से जुड़ी हुई है। असम में भाजपा सरकार बनने के बाद घुसपैठ लगभग खत्म हो गई है। अब घुसपैठियों के पूरे देश में प्रवेश करने का सिर्फ एक ही रास्ता बचा है, और वह है बंगाल।

बंगाल में चुनाव की घोषणा हो चुकी है। भाजपा के सभी कार्यकर्ता हमारे प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में बंगाल में भाजपा की सरकार बनाने के लिए बड़े आत्मविश्वास के साथ चुनावी मैदान में उतरे हैं। हमारे विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी जी ने भी चुनाव से पहले ही पूरे बंगाल का दौरा कर, बंगाल में फैली अव्यवस्था, अराजकता, आर्थिक बदहाली और विशेषकर घुसपैठ के मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया। आगामी चुनावों में बंगाल को डर और भरोसे में से किसी एक को चुनना होगा। पिछले 15 वर्षों से डर और भ्रष्टाचार की राजनीति चल रही है। ममता बनर्जी ने झूठ और हिंसा का इस्तेमाल करके राजनीति का एक नया तरीका विकसित किया है। टीएमसी के सत्ता में आने का आधार झूठ, डर और हिंसा है। लेकिन 2011 से भाजपा इसके खिलाफ लड़ रही है, और मुझे विश्वास है कि इस बार भाजपा बंगाल में सरकार बनाएगी।

दुष्कर्म मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर करने पर अदालत सख्त, सभी हाईकोर्ट को दिए कड़े निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर किए जाने पर कड़ा रुख अपनाते हुए इसे सबसे कड़े शब्दों में निंदनीय बताया है। शीर्ष अदालत ने सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोर्ट के आदेशों में पीड़िता या उसके परिवार की पहचान किसी भी रूप में सामने न आए।

न्यायमूर्ति संजय करोल और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि 2018 के निपुण सक्सेना बनाम यूनियन ऑफ इंडिया फैसले में स्पष्ट किया गया था कि किसी भी माध्यम (प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक या सोशल मीडिया) में पीड़िता की पहचान उजागर नहीं की जा सकती।

कानून का पालन न होने पर जताई चिंता

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसके बावजूद निचली अदालतों में इस नियम का पालन नहीं हो रहा है। इसके पीछे अदालतों की उदासीनता और इस तरह के अपराधों से जुड़े सामाजिक कलंक के प्रति जागरूकता की कमी को जिम्मेदार बताया गया।

कानूनी प्रावधानों पर जोर

अदालत ने बताया कि 1983 में भारतीय दंड संहिता में संशोधन कर धारा 228A जोड़ी गई थी, जिसका उद्देश्य दुष्कर्म पीड़िताओं की पहचान को सार्वजनिक होने से रोकना है। इससे पहले ऐसा कोई स्पष्ट कानूनी प्रतिबंध नहीं था, जिससे पीड़िताओं को सामाजिक बहिष्कार और मानसिक आघात का सामना करना पड़ता था।

हाईकोर्ट को सख्त निर्देश

पीठ ने अपने आदेश की प्रति सभी हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को भेजने का निर्देश दिया है, ताकि इस कानून का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जा सके। यह टिप्पणी उस दौरान आई, जब अदालत हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के एक फैसले की समीक्षा कर रही थी, जिसमें नौ साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को बरी कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में छोटे-छोटे विरोधाभासों को ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए।

बिना तलाक लिव-इन में नहीं रह सकते शादीशुदा जोड़े ... इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिपको लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि कोई व्यक्ति जो पहले से विवाहित है और उसका जीवन साथी जीवित है,वह बिना पूर्व जीवन साथी के तलाक लिए किसी तीसरे व्यक्ति के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में कानूनी रूप से नहीं रह सकता है। हाई कोर्ट ने साफ कहा कि विवाहित जीवन साथी के जीवित रहते या उससे तलाक लिए बगैर, किसी को भी तीसरे व्यक्ति के साथ शादी करने या लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की कानूनी अनुमति नहीं दी जा सकती।कोर्ट ने कहा उन्हें पहले सक्षम न्यायालय से तलाक की डिक्री प्राप्त करनी होगी।इसके साथ ही जस्टिस विवेक कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने इस टिप्पणी करते हुए याचिका निस्तारित कर दी। कोर्ट ने कहा याची को अपनी सुरक्षा के लिए आदेश जारी करने की मांग करने का अधिकार नहीं है, क्योंकि शादीशुदा को दूसरे के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की कानूनी अनुमति नहीं है। कोर्ट ने कहा याचिकाकर्ताओं को सुरक्षा प्रदान नहीं की जा सकती, जो लिव-इन रिलेशनशिप में होने का दावा करते हैं। ऐसा न तो भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए किया जा सकता है। दरअसल याचियों ने अपने शांतिपूर्ण जीवन में हस्तक्षेप न करने और सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिए जाने की मांग की थी।

पेट्रोल से भरे टैंकर को ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर, बहने लगा तेल बाल्टी-ड्रम लेकर टूट पड़े लोग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में आपदा में अवसर तलाशने की एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जो किसी बड़े हादसे को दावत दे सकती थी। थाना गुजैनी इलाके के एलिवेटेड नेशनल हाईवे पर देर रात एक पेट्रोल टैंकर हादसे का शिकार हो गया। टैंकर से पेट्रोल का रिसाव शुरू होते ही मदद करने के बजाय स्थानीय लोग बर्तन, बाल्टी और ड्रम लेकर पेट्रोल लूटने के लिए हाईवे पर दौड़ पड़े।

घटना के अनुसार, बांदा निवासी ड्राइवर मुन्ना एचपीसीएल (HPCL) के रायपुर डिपो से पेट्रोल लोड कर शिवराजपुर जा रहा था। गुजैनी एलिवेटेड पुल पर टैंकर अचानक खराब हो गया, जिसे ड्राइवर ने हाईवे के किनारे खड़ा कर दिया। मुन्ना ने कंपनी को सूचना दी और मौके पर मिस्त्री मरम्मत कर ही रहे थे कि पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने टैंकर के पिछले हिस्से में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टैंकर का किनारा क्षतिग्रस्त हो गया और पेट्रोल का रिसाव (Leakage) शुरू हो गया।

मदद के बहाने पेट्रोल लूट का खेल

ड्राइवर मुन्ना ने बताया कि रिसाव रोकने के लिए उसने स्थानीय लोगों से एक बाल्टी मांगी थी ताकि बहते पेट्रोल को रोका जा सके। लेकिन जैसे ही लोगों को पता चला कि बाल्टी में भरा जा रहा तरल पदार्थ पेट्रोल है, खबर आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते हाईवे पर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। लोग अपने घरों से बड़े-बड़े ड्रम, पानी की टंकियां और बाल्टियां लेकर पहुंच गए। ड्राइवर के बार-बार मना करने और खतरे की चेतावनी देने के बावजूद लोग जान जोखिम में डालकर रिसाव वाले हिस्से से पेट्रोल भरने में जुटे रहे।

पुलिस और फायर ब्रिगेड ने घेरा इलाका

हालात बेकाबू होते देख ड्राइवर ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। थाना गोविंद नगर इंस्पेक्टर रिकेश कुमार सिंह पुलिस बल और फायर ब्रिगेड की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने लाठियां फटकार कर भीड़ को वहां से खदेड़ा। चूंकि हाईवे पर काफी मात्रा में पेट्रोल फैल गया था, इसलिए आग लगने के डर से तुरंत ट्रैफिक को डायवर्ट कर दिया गया।

HPCL की टीम ने शुरू किया रेस्क्यू

मौके पर पहुंचे एचपीसीएल के अधिकारियों ने पहले टैंकर की मरम्मत कर रिसाव रोकने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस की निगरानी में दूसरा टैंकर बुलाया गया और क्षतिग्रस्त टैंकर से पेट्रोल को रिफिल करने का काम शुरू किया गया। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए मौके पर तैनात रहीं।

होगी सख्त कार्रवाई

पुलिस का कहना है कि पेट्रोल जैसे ज्वलनशील पदार्थ के पास इस तरह की लूटपाट करना न सिर्फ अवैध है बल्कि आत्मघाती भी है। गोविंद नगर पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज और वीडियो के आधार पर उन लोगों को चिन्हित किया जा रहा है जो कानून का उल्लंघन कर पेट्रोल चोरी में शामिल थे। ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

युवक ने कभी कोई कारोबार नही किया फिर भी तीन जिलों में खुल गयी फर्म, बकाया सुनकर उड़े होश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जी हाँ! खबर बेहद चौंकाने वाली है। सुल्तानपुर के युवक ने कभी कोई कारोबार नही किया फिर भी तीन जिलों में खुल गयी फर्म, बकाया जीएसटी सुनकर उड़े होश। कभी देवरिया तो कभी मिर्जापुर दौड़ लगाई। जब 1,11,51,537 का जीएसटी बिल मिला तो उड़े होश। आपको बता दें कि नगर के शास्त्री नगर मोहल्ले के शुभम श्रीवास्तव हैं। पीड़ति शुभम के कहे को सच मानें तो वह दो माह से एक फार्मा कम्पनी में कार्य करते हैं । प्रार्थी का नगर के बांधमंडी भारतीय स्टेट बैंक में बचत खाता है। बीते साथ दिसंबर को सब्जी खरीदने के बाद जब वह अपने एएकांउट से ऑनलाइन पेमेंट करना चाहा तो उसमे से पेमेंट नहीं हुआ तो उन्हें आश्चर्य हुआ। वह भागे भागे बैंक गए तो बैंक वालो ने बताया कि आपका जीएसटी बकाया है। इस कारण आपके खाते में प्रॉब्लम चल रही है। प्रार्थी शुभम कई बार एसबीआई बैंक गए लेकिन उसे बैंक वाले गोलमोल जवाब देते रहे। तभी शुभम शहर के जिला पंचायत परिसर के अन्दर स्थित जीएसटी ऑफिस गया वंहा से पता चला की शुभम के नाम से बलिया, देवरिया तथा मिर्जापुर में एक करोड़ 11 लाख 51,537/ रूपए जीएसटी बकाया है। पीड़ति ने बताया कि जीएसटी ऑफिस में बताया कि मैं कोई व्यवसाय नहीं करता हू। बीते 18 मार्च को जीएसटी ऑफिस मिर्जापुर जनपद गया तो वहां ज्ञात हुआ कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने प्रार्थी का आधार पैन लगाकर फ्रॉड व जालसाजी करते हुए उपरोक्त तीनो जीएसटी नंबर जारी कराकर प्रार्थी के नाम से कोई व्यवसाय कर रहा है।

सेकेंडरी स्कूल में धूमधाम से संपन्न हुआ वार्षिक उत्सव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। लिटिल फ्लावर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, ओमनगर सुल्तानपुर में वार्षिक उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और भव्यता के साथ आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एस. पी. सिंह रहे। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। छात्र-छात्राओं ने शिक्षा पर आधारित विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्होंने सभी का मन मोह लिया और दर्शकों से खूब सराहना प्राप्त की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवशंकर मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि "शिक्षा को बोझ न समझें, शिक्षा ही मनुष्य का तीसरा नेत्र है।" उनके इस संदेश ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न पुरस्कार भी वितरित किए गए। बेस्ट मदर अवार्ड सरिता जायसवाल एवं प्रांशु माथुर को प्रदान किया गया, जबकि बेस्ट फादर अवार्ड अनलेश विक्रम राव एवं मोहम्मद तबीब आलम को मिला। बेस्ट टीचर का सम्मान महिमा अग्रहरि को दिया गया। शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कक्षा पीजी में अमृतांश पटेल, जूनियर केजी में विवांक तिवारी, एसकेजी में आरवी पटेल, कक्षा एक में काव्या माथुर, कक्षा दो में सात्विक पाण्डेय, कक्षा तीन में आकृति यादव, कक्षा चार में मृदुला, कक्षा पांच में इकरा अरशद, कक्षा छह में आदित्य मिश्रा, कक्षा सात में नव्या सिंह, कक्षा आठ में विनायक त्रिपाठी, कक्षा नौ में बुशरा अरशद तथा कक्षा 11वीं में अरहमा अली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। यह वार्षिक उत्सव सभी के लिए एक यादगार प्रेरणादायक एवं ऐतिहासिक आयोजन साबित हुआ।

समाधान दिवस पर फरियादियों की समस्याओं का मौके पर किया जा रहा निस्तारण

चांदा/सुलतानपुर। चांदा थाना परिसर में आयोजित थाना समाधान दिवस में प्रशासनिक सक्रियता और जनसुनवाई का प्रभावी स्वरूप देखने को मिला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोतवाली प्रभारी अमित कुमार मिश्रा ने की, जिनके नेतृत्व में फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जा रहा है तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित व निष्पक्ष निस्तारण के निर्देश दिए गए।समाधान दिवस में पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की संयुक्त उपस्थिति रही। इस दौरान क्राइम इंस्पेक्टर तनवीर खां, कानूनगो एवं हल्का लेखपाल मौके पर मौजूद है।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया गया कि उनकी शिकायतों का पारदर्शी, समयबद्ध और न्यायपूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है।

15 दिन पहले बॉयफ्रेंड से की थी शादी, फिर क्यों नई नवेली दुल्हन ने दी जान? सुसाइड नोट में लिख गई ये बात

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के इज्जतनगर क्षेत्र में एक प्रेम कहानी का ऐसा अंत हुआ, जिसने हर किसी को हैरान और दुखी कर दिया। जिस रिश्ते की शुरुआत प्यार और भरोसे से हुई थी, वह महज 15 दिनों में ही खत्म हो गया। एक युवती, जो पेशे से नर्स थी, उसने अपने ही घर में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के बाद क्षेत्र में सन्नाटा पसर गया और परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

युवती ने हाल ही में बदायूं निवासी एक युवक से प्रेम विवाह किया था। दोनों की मुलाकात इज्जतनगर के एक निजी अस्पताल में हुई थी, जहां दोनों काम करते थे। धीरे-धीरे दोनों करीब आए और प्यार में पड़ गए। परिवार की परवाह किए बिना दोनों ने करीब 15 दिन पहले कोर्ट मैरिज कर ली। शादी के बाद कुछ दिन तक सब ठीक रहा। युवती अपने पति के साथ बदायूं भी गई, लेकिन कुछ दिनों बाद वह वापस अपने घर इज्जतनगर लौट आई थी।

बताया जा रहा है कि युवती का जीवन पहले से ही काफी संघर्ष भरा रहा था। माता-पिता का साया बचपन में ही उठ गया था। मामा-मामी ने उसे पाला, लेकिन कुछ समय पहले उनका भी निधन हो गया। ऐसे में वो अपने भाई के साथ रह रही थी और नौकरी करके घर संभाल रही थी।

सुसाइड नोट में लिखी बात ने बढ़ाया रहस्य

शुक्रवार देर रात युवती ने अपने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जब दरवाजा खोला गया तो वह फांसी के फंदे पर लटकी मिली। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ, जिसने इस पूरे मामले को और रहस्यमयी बना दिया।

सुसाइड नोट में युवती ने साफ लिखा कि वह अपनी मर्जी से यह कदम उठा रही है और उसकी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार न ठहराया जाए। यह बात सुनकर हर कोई हैरान है, क्योंकि आमतौर पर ऐसे मामलों में किसी न किसी वजह या व्यक्ति का जिक्र होता है, लेकिन यहां ऐसा कुछ नहीं मिला।

शादी के बाद बढ़ी थी दूरियां

परिवार के मुताबिक, शादी के कुछ ही दिनों बाद पति-पत्नी के बीच मनमुटाव की बातें सामने आने लगी थीं। मृतका के भाई ने बताया कि करीब पांच दिन पहले उसके बहनोई ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। हालांकि, समय रहते इलाज मिलने से उसकी जान बच गई थी।

इसके बाद वह युवक दो दिन पहले बरेली आया था और युवती से मिला था। इस दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा भी हुआ था। हालांकि, युवती ने अपने भाई को इस बारे में कुछ नहीं बताया था। अब परिवार यही सोचकर परेशान है कि आखिर ऐसा क्या हुआ, जिसने उसे इतना बड़ा कदम उठाने पर मजबूर कर दिया। फिलहाल, इज्जतनगर पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एमएलसी का भारतीय किसान यूनियन प्रदेश सचिव ने किया भव्य स्वागत

आर्यावर्त संवाददाता

कादीपुर/सुलतानपुर। हनुमत इंटर कॉलेज बिजेथुआ सूरापुर प्रबंधक मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में समय 2:00 बजे देवेंद्र प्रताप सिंह एमएलसी गोरखपुर का आगमन हुआ जिसमें रामकृपाल सिंह भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश महासचिव व मंडल अध्यक्ष बनारस झिनकू सिंह विनय सिंह जय कृष्णपांडे रामजन्म सिंह आदि सैकड़ो क्षेत्रीय, सम्मानित लोगों ने एमएलसी का माल्यार्पण कर सम्मानित किया तथा एमएलसी ने कहां कि समय बहुत गड़बड़ चल रहा है सवर्ण समाज को जागरूक होने की जरूरत है सबको अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज मजबूती से सड़कों पर उठानी चाहिए तभी सामाज को न्याय मिलेगा और नहीं तो आप को न्याय कहीं मिलना संभव नहीं है तथा मैनेजर को भी क्षेत्र के लोगों से सहयोग लेकर कॉलेज को आगे बढ़ाने का काम करें इसके बाद एमएलसी और उनके सहयोगी सहित तमाम लोग हनुमान जी का भव्य दर्शन कर अगले प्रोग्राम के लिए प्रस्थान किया।

गाजीपुर में सिस्टम की शर्मनाक तस्वीर : 6 साल की रेप पीड़िता 15 घंटे तक इलाज को तरसी

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में नवरात्रि की अष्टमी के पावन पर्व पर एक ऐसी घटना सामने आई जिसने मानवता और स्वास्थ्य व्यवस्था दोनों को कटघरे में खड़ा कर दिया है। एक ओर 6 साल की मासूम दरिंदगी का शिकार हुई, वहीं दूसरी ओर जिले का स्वास्थ्य महकमा इलाज और मेडिको-लीगल (MLC) के नाम पर उसे एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल पेंडुलम की तरह दौड़ाता रहा। अब इस केस में मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ। आनंद मिश्रा ने प्रेस वार्ता कर अपनी स्थिति स्पष्ट की।

दरअसल, नवरात्रि की अष्टमी के दिन मासूम के साथ हुई हैवानियत के बाद परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। आरोप है कि मासूम को इलाज देने के बजाय डॉक्टर और प्रशासन रोस्टर और नियमों की दुहाई देते रहे। करीब 8 से 9 घंटे तक जब कोई सुनवाई नहीं हुई और मासूम दर्द से तड़पती रही, तब परिजनों का सब्र टूट गया। आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में ही धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

मामले के तूल पकड़ने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) डॉ। सुनील पांडे मौके पर पहुंचे। उन्होंने मेडिकल कॉलेज प्रशासन की अव्यवस्था पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि वो इस लापरवाही के खिलाफ शासन को पत्र लिखेंगे। जवाब में मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ। आनंद मिश्रा ने बयान दिया, जिसने मामले में नया मोड़ दे दिया है।

'गायब थे ड्यूटी डॉक्टर'

प्रिंसिपल ने बताया कि मेडिको-लीगल के लिए ट्रामा सेंटर में दो राजपत्रित डॉक्टरों (डॉ। पल्लई राय और डॉ। मनोरम यादव) की रोस्टर के अनुसार ड्यूटी लगाई गई थी। लेकिन घटना के समय दोनों ही डॉक्टर मौके से नदारद थे। प्रिंसिपल के अनुसार, मासूम को पहले स्टेबल किया गया था, लेकिन डॉक्टरों की अनुपलब्धता के कारण मेडिकल घटना के लगभग 15 घंटे बाद (दोपहर 3 बजे) हो सका। डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट किया कि मेडिको-लीगल करने वाले राजपत्रित अधिकारी सीधे CMO के नियंत्रण में आते हैं, ऐसे में उनकी अनुपस्थिति का जवाबदेही भी उन्हीं की है।

सिस्टम की संवेदनहीनता पर सवाल

हैरानी की बात यह है कि जब जिले के आला अधिकारी एक-दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं, उस वक्त एक 6 साल की मासूम न्याय और इलाज की आस में सिसकती रही। मेडिकल कॉलेज प्रशासन का कहना है कि ट्रामा सेंटर के संचालन के बाद से ही मेडिको-लीगल की जिम्मेदारी वहां तय की गई है, फिर भी ऐसी लापरवाही होना गंभीर जांच का विषय है। फिलहाल, इस मामले ने शासन तक दस्तक दे दी है। मासूम के परिजनों की मांग है कि न सिर्फ अपराधी को कड़ी सजा मिले, बल्कि उन डॉक्टरों पर भी कार्रवाई हो जिन्होंने संकट की घड़ी में अपनी ड्यूटी से मुंह मोड़ लिया।

पेड़ कटान को लेकर विवाद, मारपीट व असलहा लहराने का आरोप

सुलतानपुर। जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र में पेड़ कटान को लेकर ठेकेदार और काश्तकार के बीच विवाद का मामला सामने आया है। आरोप है कि विवाद के दौरान मारपीट, तोड़फोड़ की गई और असलहा लहराकर मजदूरों को भगा दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार ठेकेदार दिलीप उपाध्याय निवासी भगवानपुर पखनपुर गोसाईंगंज ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि वह जयसिंहपुर क्षेत्र के सेवतरी गांव में तालाब पर नीलामी में मिले पेड़ों की कटाई मजदूरों से करवा रहे थे।इसी दौरान बालीपुर निवासी अशोक वर्मा मौके पर पहुंच गए और पेड़ों को अपनी जमीन का बताते हुए पांच लाख रुपये की मांग करने लगे।आरोप है कि रुपये न देने पर अशोक वर्मा 10-15 लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर में तोड़फोड़ कर दी तथा कई कुंतल कटी हुई लकड़ी, कुल्हाड़ी व अन्य सामान जबरन उठा ले गए।

यूपी में अफवाहों ने दोगुनी की पेट्रोल-डीजल की मांग, हुई इतनी बिक्री

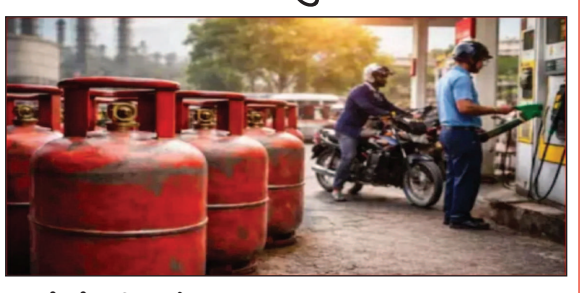

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और LPG की किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। राज्य स्तर के कोऑर्डिनेटर संजय भंडारी ने स्पष्ट किया कि 25-26 मार्च को केवल पैनिक बायिंग के कारण ईंधन की मांग अचानक बढ़ गई, जिससे बिक्री दोगुनी से अधिक हो गई। हालांकि, तीनों ऑयल कंपनियों के पास सामान्य दिनों जितना ही स्टॉक मौजूद है और सप्लाई चेन पूरी तरह सुचारू चल रही है। संजय भंडारी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रदेश में पेट्रोल, डीजल या LPG की कोई किल्लत नहीं है। सिर्फ दो दिनों की घबराहट के कारण डिमांड बढ़ी, लेकिन कहीं भी सप्लाई बाधित नहीं हुई। हमारा सिस्टम इतना मजबूत है कि जहां भी मांग बढ़ती है, तुरंत टैंकर भेजकर जरूरत पूरी कर दी जाती है। राज्य स्तर पर 26 मार्च 2026 को ईंधन की सप्लाई पिछले साल की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई। पेट्रोल-26 मार्च 2025 को 15 हजार किलोलीटर लगभग 1.5 करोड़ लीटर की सप्लाई थी, जो इस बार बढ़कर 29 हजार किलोलीटर 2.9 करोड़ लीटर हो गई। डीजल- 28 हजार किलोलीटर से बढ़कर 51 हजार किलोलीटर 5.01 करोड़ लीटर पहुंच गई। लखनऊ शहर में 26 मार्च को कुल 18,64,000 लीटर ईंधन बिका। इसमें 10,98,000 लीटर पेट्रोल और 7,66,000 लीटर डीजल शामिल है। यह बिक्री शहर के 269 पेट्रोल पंपों से हुई।

एलपीजी में भी रिकॉर्ड बुकिंग

एलपीजी की मांग में भी अचानक उछाल आया। 26 मार्च को 11.90 लाख सिलेंडर बुक हुए, जिनमें से 7.83 लाख की डिलीवरी कर दी गई। सामान्य दिनों में औसतन 10 लाख बुकिंग होती है और 7 लाख डिलीवरी होती है। भंडारी ने बताया कि एलपीजी की डिलीवरी भी पूरी गति से चल रही है।

किन जिलों में दबाव रहा?

लखनऊ, सीतापुर, बहराइच और गोंडा में दो दिनों तक मांग ज्यादा रही। वहीं गोरखपुर, महाराजगंज, बस्ती और अयोध्या में मांग पहले बढ़ी थी, लेकिन अब पूरी तरह सामान्य हो चुकी है। अधिकारियों का अनुमान है कि अगले एक-दो दिनों में बाकी जिलों में भी स्थिति पूरी तरह सामान्य हो जाएगी। स्टॉक की स्थिति पूरी तरह मजबूत राज्य में 4.85 करोड़ एलपीजी उपभोक्ता हैं। डिस्ट्रीब्यूटर के पास औसतन डेढ़ दिन और बॉटलिंग प्लांट पर 4 दिन का स्टॉक है। पेट्रोल पंपों पर 4-5 दिन का स्टॉक हमेशा रहता है। कुल मिलाकर राज्य में 15-18 दिन का रिजर्व उपलब्ध है। केंद्र सरकार के अनुसार देशभर में 60 दिन का क्रूड ऑयल स्टॉक है, जो सामान्य से ज्यादा है। भंडारी ने बताया कि हमेशा 7 दिन का बैकअप स्टॉक रखा जाता है। अभी भी वैसा ही स्थिति है।

पेमेंट मुद्दा सुलझाने की तैयारी

तीनों कंपनियां। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम मिलकर सप्लाई बनाए हुए हैं। ऑटोमेशन सिस्टम के जरिए हर रिटेल आउटलेट की निगरानी की जा रही है। जहां बिक्री सामान्य से पांच गुना बढ़ जाती है, वहां तुरंत अतिरिक्त सप्लाई भेज दी जाती है। भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के साथ बैठक बुलाई गई है। पेमेंट से जुड़े मुद्दे को लेकर भंडारी ने कहा, 'यह कंपनियों का आंतरिक मामला लगता है।

यूपीएमआरसी का मेगा प्लान : उन्नाव जिले तक पहुंचेगी कानपुर मेट्रो, 9 कॉरिडोर के साथ 107 KM लंबा होगा नेटवर्क

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश की औद्योगिक राजधानी कानपुर के निवासियों के लिए यातायात की दुनिया में एक नया बदलाव आने वाला है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (UPMRC) ने कानपुर मेट्रो के विस्तार का मास्टर प्लान तैयार कर लिया है। इस योजना के तहत न केवल कानपुर शहर के कोने-कोने को जोड़ा जाएगा, बल्कि 2035 तक मेट्रो पड़ोसी जिले उन्नाव तक भी दस्तक देगी।

यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक (MD) सुशील कुमार के अनुसार, मेट्रो का लक्ष्य साल 2030 तक शहर के प्रमुख हिस्सों जैसे पनकी, चकेरी और कैंट को मेट्रो ग्रिड से पूरी तरह जोड़ना है। 2030 तक लगभग 76।51 किलोमीटर का नेटवर्क पूरा कर लिया जाएगा। इसमें विशेष रूप से 5 कॉरिडोर पर काम खत्म करने का लक्ष्य है। पनकी से लेकर केंद्रीय विद्यालय कैंट और नौबस्ता से चकेरी तक के रूट 2030 तक संचालित होने लगेंगे।

कानपुर और उन्नाव के बीच रोजाना सफर करने वाले हजारों लोगों के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी ये है कि 2035 तक मेट्रो का नेटवर्क बढ़कर 107।32 किलोमीटर हो जाएगा। मास्टर प्लान के 9वें कॉरिडोर के तहत केंद्रीय विद्यालय कैंट से उन्नाव तक मेट्रो चलाने का खाका खींच लिया गया है। राज्य के आवास एवं शहरी नियोजन विभाग ने 12 मार्च को इस महत्वाकांक्षी परियोजना को सैद्धांतिक अनुमति दे दी है।

कानपुर मेट्रो का भविष्य इन 9 चरणों में विभाजित है

पहला: IIT से नौबस्ता (ट्रायल जारी)

दूसरा: CSA से बर्रा-8 (दिसंबर तक डेडलाइन)

तीसरा: नौबस्ता से बर्रा-8 (DPR तैयार)

चौथा: पनकी से केंद्रीय विद्यालय कैंट

पांचवां: नौबस्ता से चकेरी

छठवां: IIT से मंधना

सातवां: CSA से ख्योर कटरी

आठवां: नौबस्ता से रमईपुर

नौंवा: केंद्रीय विद्यालय कैंट से उन्नाव

वर्तमान स्थिति और आगामी ट्रायल

फिलहाल IIT से कानपुर सेंट्रल तक मेट्रो संचालित है। नौबस्ता तक 'अप लाइन' का ट्रायल सफल रहा है और जल्द ही यहां यात्री सफर कर सकेंगे। एमडी सुशील कुमार ने बताया कि अगले 4-6 दिनों में डाउन लाइन पर भी ट्रायल शुरू होने की संभावना है। इसके साथ ही कानपुर सेंट्रल से बाराहाट तक के निर्माण कार्य की डेडलाइन दिसंबर तय की गई है। मेट्रो के इस विस्तार से कानपुर न केवल दिल्ली-NCR की तरह एक कनेक्टेड मेट्रो सिटी बनेगा, बल्कि उन्नाव के जुड़ने से यह एक बड़े औद्योगिक और आवासीय हब के रूप में उभरेगा।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली उड़ान, मुख्यमंत्री योगी और राज्यपाल ने किया लखनऊ का सफर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। शनिवार को राजकीय वायुयान की पहली उड़ान ने न केवल एयरपोर्ट के संचालन की औपचारिक शुरुआत की, बल्कि प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी और तेज़ी से विकास के नए द्वार भी खोल दिए। यह पहली उड़ान उत्तर प्रदेश के उड्डयन इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण के रूप में दर्ज हुई है। जेवर से लखनऊ तक का सफर अब और अधिक सुविधाजनक और तेज हो गया है, जिससे व्यापार, निवेश और प्रशासनिक कार्यों में गति बढ़ेगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के खुलने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजधानी लखनऊ के बीच प्रत्यक्ष हवाई संपर्क स्थापित हुआ है। इससे न सिर्फ यात्रियों को समय की बचत होगी, बल्कि प्रदेश के औद्योगिक और व्यापारिक क्षेत्रों को भी नई ऊर्जा मिलेगी।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नया प्रतीक चिह्न बना 'सारस'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शनिवार को उद्घाटन किए गए नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने अपनी ब्रांड पहचान के लिए सारस-प्रेरित नया प्रतीक चिह्न अपनाया है, जो उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक, सतत विकास की सोच को दर्शाता है। हवाई अड्डा प्रबंधन के अनुसार उत्तर प्रदेश के राजकीय पक्षी 'सारस' को प्रतीक चिह्न में शामिल कर इसे विशिष्ट और वैश्विक स्तर पर प्रभावी पहचान देने का प्रयास किया गया है। यह पहल राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि, परंपरा और प्रकृति के प्रति जुड़ाव को रेखांकित करती है।

खेल उपकरण और परिधान

बयान में कहा गया कि यह कदम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस दृष्टिकोण को भी दर्शाता है, जिसमें विकास के साथ सांस्कृतिक पहचान और पर्यावरणीय संतुलन को समान महत्व दिया जा रहा है। प्रतीक चिह्न को पतली और एकीकृत रेखाओं से डिजाइन किया गया है, जो गति, कनेक्टिविटी और आधुनिक बुनियादी ढांचे का प्रतीक हैं। इसमें इस्तेमाल किया गया नीला-हरा रंग तकनीकी प्रगति और पर्यावरण संरक्षण के संतुलन को दर्शाता है।

प्रतीक चिह्न में उड़ता हुआ सारस प्रगति, आत्मविश्वास और नयी ऊंचाइयों की ओर बढ़ते उत्तर प्रदेश का प्रतीक माना गया है। यह राज्य को वैश्विक निवेश और कनेक्टिविटी हब के रूप में विकसित करने के विजन को भी प्रतिबिंबित करता है। अधिकारियों के अनुसार, यह नया प्रतीक न केवल हवाई अड्डे की ब्रांडिंग को मजबूत करेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी अलग और प्रभावी पहचान भी स्थापित करेगा। अब यह हवाई अड्डा केवल एक परिवहन केंद्र नहीं, बल्कि संस्कृति, आधुनिकता और सतत विकास का प्रतीक बनकर उभर रहा है।

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास और रोजगार का नया द्वार खोलेगा : पंकज चौधरी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज विकास, विश्वास और वैश्विक संभावनाओं की नई पहचान बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन केवल एक आधारभूत परियोजना का लोकार्पण नहीं, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के भविष्य, प्रदेश की अर्थव्यवस्था और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊंचाई देने वाला ऐतिहासिक क्षण है। यह एयरपोर्ट प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच, मजबूत नेतृत्व और उत्तर प्रदेश को देश के सबसे विकसित राज्यों में स्थापित करने की प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित पूरे प्रदेश के लिए उद्योग, व्यापार, पर्यटन, निर्यात, लॉजिस्टिक्स, निवेश और रोजगार के नए द्वार खोलेगा। इससे गौतम बुद्ध नगर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना प्राधिकरण क्षेत्र सहित आसपास के अनेक जिलों में औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करेगी, किसानों को बाजार से जोड़ेगी, व्यापारियों को नई सुविधा देगी और निवेशकों के लिए उत्तर प्रदेश को और अधिक आकर्षक बनाएगी।उन्होंने कहा कि आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रैपिड रेल, मेट्रो परियोजनाएं, एक्सप्रेसवे नेटवर्क और लगभग पूर्णता की ओर बढ़ रहा गंगा एक्सप्रेसवे मिलकर विकास की एक नई संरचना तैयार कर रहे हैं। यह केवल सड़क, रेल और हवाई संपर्क का विस्तार नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था, जीवनशैली और अवसरों को बदलने वाली परिवर्तनकारी यात्रा है। इन परियोजनाओं से समय की बचत, व्यापार की सुगमता, उद्योगों का विस्तार और क्षेत्रीय संतुलित विकास को अभूतपूर्व गति मिलेगी।

यूपी में चुनाव से पहले लगेगी विकास की झड़ी, इसी साल 2 .52 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी योगी सरकार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अगले वर्ष राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी प्रदेश सरकार एक अप्रैल से ही वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट से विकास कार्यों को तेजी से शुरू कराएगी। शासन स्तर पर इसकी तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 का अधिक से अधिक बजट 31 मार्च तक खर्च करने की होड़ में जुटे विभागों का पूरा फोकस एक अप्रैल से बदलते हुए नए वित्तीय वर्ष के बजट से विकास कार्यों को गति देने पर होगा।

वर्ष 2026-27 का बजट प्रदेश सरकार का अंतिम पूर्ण बजट है। अगले वर्ष फरवरी में सरकार वित्तीय वर्ष 2027-28 का जो बजट प्रस्तुत करेगी उसमें सरकार सिर्फ जरूरी खर्चों का प्रबंध कर पाएगी।

चुनाव के बाद जिसकी सरकार बनेगी वह पूर्ण बजट पेश करेगा। चुनाव को ध्यान में रखते हुए सरकार का लक्ष्य एक अप्रैल से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष में पहले ही दिन से विकास कार्यों को तेजी से धरातल पर उतारने की है।

बजट स्वीकृति करने की तैयारी

नए वित्तीय वर्ष में विकास कार्यों के लिए आवंटित बजट तेजी से खर्च करने के तैयारी में विभाग अभी से जुट गए हैं। लोक निर्माण विभाग ने सड़कों व पुल-पुलियों के निर्माण कार्य के लिए बजट स्वीकृति का काम अप्रैल से ही किए जाने की तैयारी कर ली है।

विधायकों द्वारा निर्माण से संबंधित दिए गए प्रस्ताव में से जिन कामों को नहीं कराया जा सका है, उसकी सूची तैयार की जा चुकी है। बचे हुए प्रस्तावित सभी कामों को नए वित्तीय वर्ष में प्राथमिकता से कराया जाएगा। अप्रैल से ही टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। सिंचाई, स्वास्थ्य, नगर विकास, पर्यटन आदि विभाग भी इसी राह पर चलेंगे। सूत्रों का कहना है कि सरकार तेजी से बजट में की गई घोषणाओं को पूरा करते हुए राज्य की जनता को बड़ा संदेश देने की तैयारी में है।

2.52 लाख करोड़ रुपये से होंगे विकास कार्य

सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए 9.12 लाख करोड़ रुपये का भारी भरकम बजट पास किया है, जो चालू वित्तीय वर्ष के बजट से लगभग 13% अधिक है। यह बजट 'आत्मनिर्भर यूपी' के साथ ही वर्ष 2027 विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। जिसमें विकास, वित्तीय अनुशासन और भविष्य की तैयारी तीनों को समान महत्व दिया गया है। बजट में अन्नदाता किसान, युवा, महिला, छात्र-छात्राओं समेत हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। पूंजीगत व्यय (विकास कार्य) के लिए कुल 2,52,071 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। जिससे बुनियादी ढांचे के विकास पर खर्च किया जाना है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने अपनाया सारस का प्रतीक, 'विकास के साथ विरासत' की सोच को मिला नया आयाम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने अपनी ब्रांड पहचान को वैश्विक स्तर पर प्रभावी और विशिष्ट बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के राजकीय पक्षी सारस को अपने प्रतीक (लोगो) के रूप में अपनाया है। यह पहल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस विजन को दर्शाती है, जिसमें विकास के साथ सांस्कृतिक पहचान और पर्यावरणीय संतुलन को भी समान महत्व दिया जा रहा है। सारस उत्तर प्रदेश का राजकीय पक्षी होने के साथ-साथ समृद्ध परंपरा और प्रकृति का प्रतीक है। एयरपोर्ट के लोगो में इसे शामिल करना राज्य की विरासत को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने की एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है, जो "विकास के साथ विरासत" की अवधारणा को और मजबूत करती है।नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लोगो का डिजाइन तकनीक और पर्यावरण के संतुलन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। लोगो को पतली और एकीकृत रेखाओं से बनाया गया है, जो गति, कनेक्टिविटी और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का संकेत देती हैं। इसमें प्रयुक्त नीले-हरे रंग का ग्रेडिएंट तकनीकी प्रगति और पर्यावरण संरक्षण के संतुलन को दर्शाता है, जो प्रदेश में ग्रीन और सस्टेनेबल डेवलपमेंट की नीति के अनुरूप है।लोगो में उड़ते हुए सारस को प्रगति, आत्मविश्वास और नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ते उत्तर प्रदेश के प्रतीक के रूप में दर्शाया गया है। यह राज्य को वैश्विक निवेश और कनेक्टिविटी हब के रूप में विकसित करने के विजन को भी प्रतिबिंबित करता है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का यह नया प्रतीक न केवल इसकी ब्रांडिंग को सशक्त बना रहा है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी अलग और प्रभावी पहचान स्थापित करने में भी सहायक सिद्ध होगा।यह एयरपोर्ट अब केवल एक परिवहन केंद्र तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि संस्कृति, आधुनिकता और सतत विकास के समन्वय का प्रतीक बनकर उभर रहा है, जो उत्तर प्रदेश की नई पहचान को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

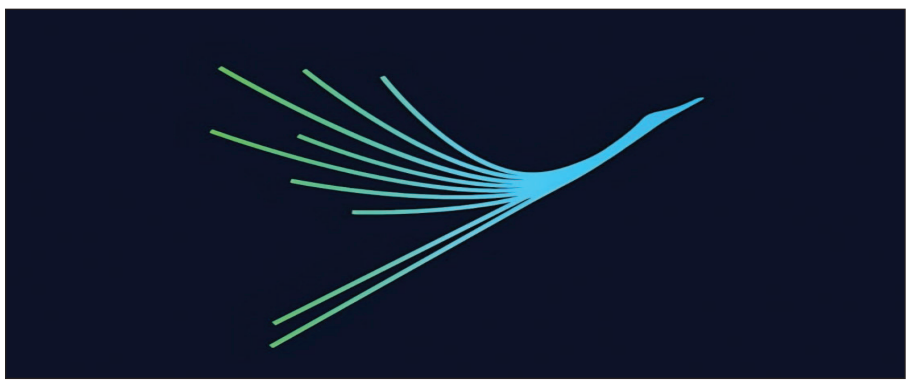

पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी ने लखनऊ परिक्षेत्र के प्रशिक्षण केंद्रों व संस्थानों का किया निरीक्षण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी मनोज कुमार ने वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राहुल यादव के साथ लखनऊ परिक्षेत्र के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों एवं मनोरंजन संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बहु-विषयक प्रशिक्षण केंद्र, ऐशबाग; मंडल प्रशिक्षण केंद्र (कैरिज एंड वैगन), ऐशबाग डिपो; मनोरंजन संस्थान, ऐशबाग; ट्रैक मेंटेनर छात्रावास, ऐशबाग तथा महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित लखनऊ सिटी रेलवे स्टेशन का विस्तृत अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी ने प्रशिक्षण व्यवस्थाओं, आधारभूत सुविधाओं तथा कर्मचारियों के लिए उपलब्ध संसाधनों की गुणवत्ता का गहन मूल्यांकन किया। उन्होंने प्रशिक्षण केंद्रों में संचालित कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि कर्मचारियों के कौशल विकास और कार्यकुशलता में वृद्धि के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और अधिक व्यावहारिक, आधुनिक और तकनीकी रूप से उन्नत बनाया जाए, जिससे कर्मचारियों की दक्षता में निरंतर सुधार सुनिश्चित हो सके।ट्रैक मेंटेनर छात्रावास और कैरिज एंड वैगन डिपो के निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपलब्ध सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया तथा आवश्यक सुधार के लिए सुझाव भी दिए। ऐशबाग स्थित मनोरंजन संस्थान में पुस्तकालय, इनडोर खेल, व्यायाम सुविधाएं और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से कर्मचारियों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए समुचित व्यवस्थाएं उपलब्ध कराए जाने की सराहना की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के रहने और कार्य करने के वातावरण को बेहतर बनाना विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए, जिससे उनका मनोबल ऊंचा बना रहे और वे अधिक समर्पण के साथ कार्य कर सकें।इसके पश्चात महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित लखनऊ सिटी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करते हुए उन्होंने इस पहल को महिला सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाती है, बल्कि संगठन में सकारात्मक कार्य संस्कृति को भी प्रोत्साहित करती है।इस अवसर पर उन्होंने कार्मिक विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि विभाग कर्मचारियों के हितों और कल्याण के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास कर रहा है। उन्होंने कर्मचारियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना तथा उनके समाधान का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान मंडल कार्मिक अधिकारी और हित निरीक्षक भी उपस्थित रहे।

ऐशबाग रेलवे पॉली क्लीनिक में स्वास्थ्य परीक्षण एवं डेंटल चेक-अप शिविर आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा० दीक्षा चौधरी के निर्देशन में ऐशबाग रेलवे पॉली क्लीनिक में स्वास्थ्य परीक्षण एवं डेंटल चेक-अप शिविर का आयोजन किया गया।इस स्वास्थ्य शिविर में वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ० रंजना पाटनी तथा डेंटल सर्जन डॉ० रुचिका किशोर द्वारा कुल 21 सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिनमें 13 पुरुष एवं 8 महिला कर्मचारी शामिल थे।चिकित्सकीय जांच के दौरान 3 कर्मचारियों में डेंटल कैरीज (दांतों में सड़न) तथा 15 कर्मचारियों में ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस की पहचान की गई। इसके अतिरिक्त एक कर्मचारी में उच्च रक्तचाप, एक कर्मचारी में मोटापा तथा एक कर्मचारी में सीओपीडी के लक्षण पाए गए।जांच के उपरांत सभी संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया गया तथा उन्हें उचित उपचार और सावधानियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे वे अपने स्वास्थ्य का बेहतर ध्यान रख सकें।

नौकरी का झांसा देकर 3 .80 लाख की ठगी व शारीरिक शोषण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना विकासनगर पुलिस ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर 3 लाख 80 हजार रुपये की ठगी करने, शारीरिक शोषण करने तथा कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर गर्भपात का प्रयास करने वाले वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।पुलिस के अनुसार 1 मार्च 2026 को शिकायतकर्ता के प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना विकासनगर में मु0अ0सं0 41/2026 के तहत धारा 64(1), 78, 89, 115(2), 123, 318(4), 352, 351(3) भारतीय न्याय संहिता 2023 तथा धारा 66 ई सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम 2008 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पीड़िता के बयान और साक्ष्यों के आधार पर अभियोग की धाराओं में संशोधन किया गया।जांच के क्रम में अभियुक्त अंकुर अग्रवाल (उम्र 38 वर्ष) पुत्र नवल किशोर अग्रवाल, निवासी ग्राम पडरौना थाना पडरौना जनपद कुशीनगर, हाल पता सी-2/327 सेक्टर-एफ, जानकीपुरम लखनऊ, गिरफ्तारी हेतु वांछित चल रहा था। थाना विकासनगर पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर 28 मार्च 2026 की रात्रि लगभग 12:50 बजे सेक्टर-एफ जानकीपुरम स्थित उसके घर के सामने से अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। बाद में अभियुक्त को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार लखनऊ भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार अभियुक्त ने पीड़िता को नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे 3 लाख 80 हजार रुपये हड़प लिए। इसके बाद बहला-फुसलाकर पीड़िता की इच्छा के विरुद्ध शारीरिक शोषण किया। पीड़िता के गर्भवती होने पर अभियुक्त ने धोखे से कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया और गर्भपात कराने का प्रयास किया।इस कार्रवाई में थाना विकासनगर की पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें थानाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह, उपनिरीक्षक जितेन्द्र कुमार सिंह, उपनिरीक्षक विनोद कुमार, उपनिरीक्षक रामकुमार, उपनिरीक्षक आनन्द कुमार, मुख्य आरक्षी अनुज कुमार, महिला आरक्षी सीमा चौरसिया तथा आरक्षी रघुवीर शामिल रहे।

पीएनजी सेवाओं के विस्तार पर उच्च स्तरीय बैठक में ए .के . शर्मा की सहभागिता, लंबित एनओसी मामलों के त्वरित निस्तारण का दिया आश्वासन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारत सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित "पीएनजी सेवाओं के विस्तार एवं आवश्यक सेवाओं के सुदृढ़ीकरण" विषयक उच्च स्तरीय बैठक में उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने सहभागिता की।यह महत्वपूर्ण बैठक समूह मंत्रियों (GoM) के 25 मार्च 2026 के निर्णय के क्रम में आयोजित की गई, जिसमें केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, मनोहर लाल खट्टर तथा प्रह्लाद जोशी सहित विभिन्न राज्यों के मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और नगर निकायों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (CGD) नेटवर्क के विस्तार, पीएनजी कनेक्शन वितरण में तेजी तथा शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित ऊर्जा उपलब्ध कराने के विषय पर विस्तृत चर्चा की गई।इस अवसर पर मंत्री ए.के. शर्मा ने उत्तर प्रदेश में हो रही प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकायों में अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) से संबंधित कुछ प्रकरण लंबित हैं, जिनमें बहराइच, वाराणसी, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि इन लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए वे स्वयं विशेष ध्यान केंद्रित करेंगे।उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थानीय निकायों के निदेशक को निर्देश दिए जाएंगे कि एनओसी जारी करने की प्रक्रिया को सरल और तेज बनाया जाए, जिससे किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो और कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जा सके।मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा सीजीडी परियोजनाओं को गति देने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को आश्वस्त किया कि इस विषय पर वे व्यक्तिगत रूप से निगरानी रखेंगे और शीघ्र तथा प्रभावी समाधान सुनिश्चित करेंगे, जिससे आमजन को सुलभ, सुरक्षित और स्वच्छ ऊर्जा सेवाएं उपलब्ध हो सकें।बैठक में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वय को और मजबूत करते हुए शहरी विकास को नई गति देने पर विशेष बल दिया गया। इस बैठक में उत्तर प्रदेश सहित हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उड़ीसा, राजस्थान, तेलंगाना और दिल्ली की सक्रिय भागीदारी रही, जबकि अन्य राज्यों ने वर्चुअल माध्यम से सहभागिता की।

बेमौसम बारिश से प्रभावित किसानों को 24 घंटे में राहत राशि देने के निर्देश, 20 करोड़ रुपये जारी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में बेमौसम बारिश से प्रभावित किसानों और परिवारों को राहत राशि का त्वरित वितरण सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख सचिव राजस्व अपर्णा यू ने कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित जनपदों के जिलाधिकारी बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली तथा आंधी-तूफान से हुई फसल क्षति का आकलन कर 24 घंटे के भीतर प्रभावित किसानों को राहत राशि उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।प्रमुख सचिव राजस्व द्वारा शनिवार को लाल बहादुर शास्त्री भवन स्थित सभागार में बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली और आंधी-तूफान से हुई फसल क्षति, जनहानि, मकान क्षति तथा पशुहानि के संबंध में राहत राशि वितरण की समीक्षा की गई।

उन्होंने सभी जिलाधिकारियों, अपर जिलाधिकारी (राजस्व) तथा राजस्व एवं राहत विभाग के कार्मिकों को संवेदनशीलता के साथ प्राथमिकता के आधार पर राहत कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनहित के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी तथा सभी जिलाधिकारी प्रभावित परिवारों से व्यक्तिगत संवाद स्थापित करें।उन्होंने बताया कि राहत राशि निर्गत करने के लिए शासन स्तर पर बजट की कोई कमी नहीं है। राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा 15 मार्च 2026 से अब तक 20 करोड़ रुपये की राहत धनराशि विभिन्न जनपदों को जारी की जा चुकी है। यदि किसी जनपद में बजट की कमी हो तो तत्काल राहत आयुक्त कार्यालय से अतिरिक्त धनराशि की मांग करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने राहत वितरण कार्यों में शिथिलता बरतने वाले लापरवाह कार्मिकों के विरुद्ध तत्काल कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।प्रमुख सचिव ने आमजन से अपील की कि राहत राशि प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई होने पर राहत आयुक्त कार्यालय के टोल फ्री नंबर 1070 पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने बताया कि भारतीय मौसम विभाग द्वारा 31 मार्च तक विभिन्न जनपदों में बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली तथा आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की गई है, ऐसे में आमजन सतर्क रहते हुए सावधानीपूर्वक अपने कार्य करें। साथ ही जिलाधिकारियों को अपने-अपने जनपदों में खराब मौसम से संबंधित सूचनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार विभिन्न माध्यमों से कराने के निर्देश दिए गए हैं।उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 मार्च 2026 से 28 मार्च 2026 तक बेमौसम बारिश के कारण प्रदेश में कुल 17 जनहानि और 11 पशुहानि दर्ज की गई है, जबकि सहारनपुर और ललितपुर जनपदों में 1661.75 हेक्टेयर फसल क्षति हुई है।

ममता बनर्जी के किले में इस बार लग सकती है सेंध

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पहली और दूसरी सूची जारी कर साफ संकेत दे दिया है कि इस बार वह आधी अधूरी तैयारी के साथ नहीं बल्कि पूरी ताकत, पूरी रणनीति और पूरी आक्रामकता के साथ मैदान में उतरी है। खासतौर पर दूसरी सूची में 111 उम्मीदवारों के नामों पर नजर डालने पर पता चलता है कि एक एक सीट पर गहरे मंथन के बाद उम्मीदवार तय किये गये हैं। हम आपको बता दें कि हिंगलगंज से रेखा पात्रा, खड़दह से कल्याण चक्रवर्ती, सोनारपुर दक्षिण से रूपा गांगुली, मथाभांगा से निसिथ प्रमाणिक, चोपड़ा से शंकर अधिकारी, बैरकपुर से कौस्तव बागची, कमरहाटी से अरूप चौधरी जैसे नाम सीधे चुनावी मुकाबले को और दमदार बना रहे हैं। इसके अलावा एंटाली से प्रियंका तिबरेवाल और मणिकतला से तपस रॉय जैसे उम्मीदवार राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखते हैं।

अगर पहली सूची पर नजर डालें तो वहां भी बड़े नामों की भरमार है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को नंदीग्राम के साथ-साथ भवानीपुर से उतारकर पार्टी ने सीधे ममता बनर्जी को चुनौती दे दी है। दिलीप घोष, स्वपन दासगुप्ता, अग्निमित्रा पाल, रुद्रनील घोष और बंकिम चंद्र घोष जैसे चेहरे इस चुनाव को हाई वोल्टेज बना रहे हैं। खास बात यह है कि इस बार पार्टी ने सिर्फ चर्चित चेहरों पर नहीं बल्कि जमीनी कार्यकर्ताओं पर भी भरोसा दिखाया है। आउसग्राम से कलिता माजी जैसी साधारण पृष्ठभूमि की कार्यकर्ता को टिकट देना इसी रणनीति का हिस्सा है।

इस चुनाव का एक और बड़ा और चौंकाने वाला पहलू है पूर्व पुलिस आयुक्त डॉ. राजेश कुमार का राजनीति में प्रवेश। यह सिर्फ एक उम्मीदवार का नाम नहीं बल्कि भाजपा की रणनीतिक चाल है। डॉ. राजेश कुमार का प्रशासनिक अनुभव, वित्त और प्रबंधन में गहरी समझ और कानून व्यवस्था पर मजबूत पकड़ उन्हें एक अलग ही स्तर का नेता बनाती है। कोलकाता के पुलिस आयुक्त के रूप में उनका कार्यकाल, अपराध जांच विभाग और यातायात सुरक्षा जैसे अहम पदों पर उनकी भूमिका उन्हें आम नेता से अलग पहचान देती है। उनकी छवि एक सख्त लेकिन न्यायप्रिय अधिकारी की रही है। मानव तस्करी के खिलाफ उनकी मुहिम और कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए किए गए काम उन्हें जनता के बीच भरोसेमंद चेहरा बनाते हैं। भाजपा के लिए यह कदम इसलिए भी फायदेमंद है क्योंकि बंगाल में कानून व्यवस्था एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। ऐसे में एक पूर्व शीर्ष पुलिस अधिकारी का चुनावी मैदान में उतरना सीधे तौर पर संदेश देता है कि पार्टी व्यवस्था सुधारने के लिए गंभीर है।

राजनीतिक रूप से भी यह दांव गहरा है। डॉ. राजेश कुमार का प्रशासनिक और बौद्धिक कद भाजपा को उस वर्ग में भी मजबूती देगा जो अब तक तटस्थ रहा है। उनकी कानूनी लड़ाइयों ने यह भी साबित किया है कि वह दबाव में झुकने वाले नहीं हैं। यह छवि भाजपा के लिए चुनाव में बड़ी पूंजी साबित हो सकती है। इस चुनाव को और भावनात्मक और विस्फोटक बनाने वाला मुद्दा है आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना। उस दर्दनाक घटना ने पूरे बंगाल को झकझोर दिया था। अब पीड़िता की मां का राजनीति में आने का संकेत यह बता रहा है कि जनता के भीतर गुस्सा अभी ठंडा नहीं हुआ है। महिलाओं का सड़क पर उतरना, रात भर प्रदर्शन करना और न्याय की मांग करना तृणमूल सरकार के खिलाफ एक बड़ा जनमत बना चुका है। माना जा रहा है कि पीड़िता की मां ने भाजपा से पनिहाटी से टिकट मांगा है। भाजपा उन्हें उम्मीदवार बनाने पर विचार कर रही है क्योंकि पार्टी उस जनाक्रोश को राजनीतिक ऊर्जा में बदलने की कोशिश कर रही है। हम आपको बता दें कि पनिहाटी उन 38 सीटों में शामिल है जहां से भाजपा ने अब तक अपने उम्मीदवार घोषित नहीं किये हैं।

इसके अलावा भाजपा ने सामाजिक समीकरणों पर भी खास ध्यान दिया है। अनुसूचित जाति और जनजाति सीटों पर मजबूत उम्मीदवार उतारकर पार्टी ने अपने आधार को और व्यापक बनाने का प्रयास किया है। उत्तर बंगाल से लेकर दक्षिण तक हर क्षेत्र में संतुलन साधने की रणनीति साफ दिख रही है। इसके अलावा भाजपा अपने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, स्थानीय चेहरों को आगे लाने और ममता सरकार के खिलाफ जन असंतोष को वोट में बदलने की रणनीति भी बहुत पहले ही बना चुकी है और उसी के आधार पर चुनाव प्रचार चलाया जायेगा। इसके अलावा, इस बार भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका बदला हुआ दृष्टिकोण है। पिछली बार जहां पार्टी पर बाहरी चेहरों पर ज्यादा भरोसा करने का आरोप लगा था, इस बार उसने जमीनी कार्यकर्ताओं और विचारधारा से जुड़े लोगों को प्राथमिकता दी है।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

ललित गर्ग

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है। दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंततः नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है।

हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द-गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं। इसलिए दुनिया को यह तय करना होगा कि उसे हथियारों की दुनिया बनानी है या मानवता की दुनिया। यदि वर्तमान परिस्थितियों में युद्ध नहीं रुके और हथियारों की होड़ इसी तरह बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में दुनिया को महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसे अनेक संकटों का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति पूरी मानवता के लिए खतरनाक होगी। इसलिए अब समय आ गया है कि विश्व के सभी देश अपने संकीर्ण राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर वैश्विक हितों के बारे में सोचें और युद्ध के बजाय शांति, सहयोग और सहअस्तित्व का मार्ग अपनाएं।

टिप्पणी

लोकतांत्रिक भविष्य से खिलवाड़

मुश्किलें इसलिए पैदा हुई हैं, क्योंकि सत्ता पक्ष ने पद, प्रक्रिया और परिणाम की गरिमा की चिंता छोड़ दी है। व्यापक रूप से संवैधानिक व्यवस्था की साख के साथ क्या हो रहा है, इसकी फिक्र करने की जरूरत वह नहीं समझता।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान विपक्ष ने संसदीय कार्यवाही के संचालन में अपने प्रति भेदभाव के साथ-साथ सत्ता पक्ष से स्पीकर की मिलीभगत का आरोप खुल कर लगाया। जैसा अनुमान था, अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से नामंजूर कर दिया गया। मगर जिस रोज ये हुआ, उसी दिन विपक्ष के 180 सांसदों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पेश होने वाले अविश्वास प्रस्ताव पर दस्तखत कर दिए। अब इस प्रस्ताव को दोनों सदनों में पेश किया जाएगा। विचार के लिए प्रस्ताव के स्वीकार होने की प्रक्रिया लंबी है, इसलिए इस पर बहस के लिए (अगर वो हुई तो) अभी इंतजार करना पड़ेगा।

वैसे, चर्चा हुई भी, तो यह अनुमान पहले से लगाया जा सकता है कि इसका हश्र स्पीकर के खिलाफ पेश प्रस्ताव से अलग नहीं होगा। कारण संसदीय गणित है। आज के माहौल में इसकी उम्मीद तो नहीं की जा सकती कि सत्ता पक्ष चुनाव प्रक्रिया की स्वच्छता एवं निष्पक्षता की व्यापक अपेक्षाओं को अपने दलगत हित पर तरजीह देकर समझने का प्रयास करेगा कि विपक्ष आखिर संवैधानिक पद पर बैठे एक व्यक्ति से इतना ख़फा क्यों है? और यही समस्या की जड़ है। मुश्किलें इसलिए पैदा हुई हैं क्योंकि सत्ता पक्ष ने पद, प्रक्रिया और परिणाम की गरिमा की चिंता छोड़ दी है। उसे मतदाताओं की गोलबंदी की अपनी क्षमता पर इतना भरोसा है कि व्यापक रूप से संवैधानिक व्यवस्था की साख के साथ क्या हो रहा है, इसकी फिक्र करने की जरूरत वह नहीं समझता।

नतीजा, अब तक राजनीतिक विवाद से परे माने जाने जानी संवैधानिक संस्थाएं और उनमें पदासीन प्राधिकारी अब रोजमर्रा की सियासत का मुद्दा बन गए हैं। उनको लेकर जनमत बंटता चला गया है। लोकतंत्र के दीर्घकालिक भविष्य के लिए इससे ज्यादा चिंताजनक बात कोई और नहीं हो सकती। अगर राजनीतिक समूह और जनमत के एक बड़े दायरे का मुख्य निर्वाचन आयुक्त एंव स्पीकर पर यकीन नहीं है, तो उससे चुनाव एवं संसदीय प्रक्रियाएं लांछित हो जाती हैं। जो लोग इसके खतरे को आज गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, वे इस देश के लोकतांत्रिक भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

ब्लॉग

मलयालम को ताकतवर बनाने का श्रेय लेने की होड़

उमेश चतुर्वेदी

केरलम् में विधानसभा चुनावों के बीच मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने का श्रेय लेने का सियासी खेल बढ़ता जा रहा है। राज्य का नाम केरलम् किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती।

मलयालम को केरलम् की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में ओमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंज़ूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है।

अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनूदित की जाएंगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रूमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स (ऑफिशियल लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा राह है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा।

भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। राज्य मे इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं। हालांकि मलयालम भाषा कानून का विरोध तमिल मूल के लोगों ने तो नहीं किया है, लेकिन कर्नाटक के तर्कों में उनकी भी बातें एक तरह शामिल हैं।

कर्नाटक सरकार का तर्क है कि यह कानून केरल में रहने वाले कन्नड़ भाषी अल्पसंख्यकों की भाषाई अस्मिता के लिए खतरा है। यह कानून, कर्नाटक भाषियों के अधिकारों का उल्लंघन है। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का तर्क है है कि कासरगोड और केरल के दूसरे कन्नड़ भाषी क्षेत्रों में भाषाई अल्पसंख्यक छात्र अभी स्कूलों में कन्नड़ को पहली भाषा के तौर पर पढ़ते हैं। केरल में स्कूलों में हिंदी भी पढ़ाई जाती रही है। इसलिए माना जाता है कि केरल में हिंदीविरोधी माहौल नहीं है। लेकिन दिलचस्प यह है कि केरल के विद्वान भी इस कानून के पक्ष में तर्क देते वक्त केंद्र सरकार पर केरल में हिंदी थोपने का आरोप लगाने से नहीं हिचक रहे। दिलचस्प यह है कि ऐसा ही आरोप कर्नाटक की ओर से लगाया जा रहा है, बस वहां हिंदी की जगह मलयालम को थोपे जाने की बात हो रही है। केरल सरकार ने हालांकि सफाई दी है कि जिनकी मातृभाषा तमिल, कन्नड़, तुलु या कोंकणी है, उनके लिए भी कानून में प्रावधान हैं। इस कानून में इस बात की चर्चा है कि राज्य के भाषायी अल्पसंख्यक अपनी भाषा में राज्य सचिवालय, विभागों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों से पत्राचार कर सकेंगे। इसके साथ ही, मलयालम के अलावा दूसरी मातृभाषा वाले छात्रों को नेशनल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल भाषाओं में पढ़ाई कर सकेंगे। इसी तरह दूसरे राज्यों या विदेश से आने वाले छात्रों को नौंवी, दसवीं और हायर सेकेंडरी स्तर पर मलयालम की परीक्षा देने से छूट मिलेगी। मलयालम को आधिकारिक भाषा बनाने का स्थानीय नागरिक स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि इस कानून के नाम से ही अलगाववादी और वर्चस्ववादी झलक मिलती है।, केरल के बौद्धिकों के एक वर्ग का कहना है कि बेहतर होता है कि इस कानून का नाम 'मलयालम भाषा एक्ट 2025' की जगह 'केरल स्टेट लैंग्वेज एक्ट 2025' होता। इससे समावेशी संदेश जाता। यहां के बौद्धिकों का तर्क है कि इस विधेयक में मलयालम की जगह बेहतर होता कि राज्य में प्रयोग में लाई जाने वाली तमिल,कन्नड़, कोंकणी, तुलु और गुजराती का भी जिक्र होता। केरल में जंगलों और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की अपनी भाषाएं भी हैं। वे मलयालम का इस्तेमाल कम करते हैं। इसलिए एक वर्ग का मानना है कि उनकी भाषाओं की अस्मिता की रक्षा का बोध भी इस कानून में होना चाहिए था।

बेशक केरल के विधानसभा चुनाव में मलयालम को आधिकारिक दर्जा मिलना बड़ा मुद्दा होगा। राज्य की राजनीति में प्रभावी दखल देने की ताक में बैठी भाजपा, कांग्रेस और वाममोर्चा, सभी इसका श्रेय लेने की कोशिश करेंगे। लेकिन यहां के बौद्धिक समाज की चिंता है कि इस विधेयक से राज्य में एक भाषा के वर्चस्व का भाव पैदा हो सकता है। ऐसा लगता है कि जिन लोगों की भाषा मलयालम नहीं है, उनकी प्रशासनिक और शासन से जुड़ी चिंताओं को अंग्रेजी के जरिए हल किया जा सकता है। लेकिन केरल के बौद्धिक मानते हैं कि राज्य के बहुसंख्यक समुदाय की भाषा से इतर वाले लोगों की समस्याओं का समाधान अंग्रेज़ी के ज़रिए नहीं हो सकते। इसलिए भाषा विकास विभाग और निदेशालय को सिर्फ़ मलयालम भाषा तक सीमित नहीं रहना होगा, बल्कि केरल की सभी भाषाओं के लिए होना होगा। केरल में मांग उठ रही है कि वहां के सिविल सर्विस सुधार विभाग को मलयालम भाषा विकास विभाग के रूप में बदल दिया जाना चाहिए। कानून में इस विभाग के पुनर्गठन और मलयालम भाषा व कास निदेशालय बनाने का प्रावधान है। यहां के भाषाशास्त्री इसे स्वागत योग्य कदम बता तो रहे हैं। लेकिन, इसमें मलयालम के साथ दूसरी भाषा समूहों का भी प्रतिनिधित्व देने का सुझाव दे रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि भाषा का काम जोड़ना है, तोड़ना नहीं। शायद यही वजह है कि मलयालम भाषा कानून के स्वागत के साथ ही दूसरी भाषाओं को तवज्जो देने की मांग हो रही है।

मतृभाषा से इतर समूहों से आने वाले लोग किसी भी भाषा को अवसरों और जरूरत के लिहाज से सीखते हैं। सीखने की इस प्रक्रिया में मजबूरी की बजाय उत्साह जुड़ जाता है तो भाषाएं समृद्ध होती हैं और वे सौहार्द का प्रतीक बनती हैं। आधिकारिक भाषा बनने के बाद मलयालम भी उसी तरह उम्मीद की भाषा बने, शायद यही केरल के बौद्धिक चाहते हैं। मलयालमभाषियों की इस सोच से हिंदीभाषी विद्वानों, राजनेताओं और प्रशासनिक तंत्र को प्रेरित होना चाहिए।

मां की मौत के बाद ननिहाल में रह रहा था मासूम, बेटे को जबरन ले जाने लगा तो ससुर ने रोका, दामाद ने कर दी हत्या

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। रिश्तों के कत्ल की एक सनसनीखेज वारदात गाजीपुर के सैदपुर थाना क्षेत्र से सामने आई है। यहां के ईशनपुर भितरी गांव में एक शराबी दामाद ने अपने ही चचेरे ससुर की पत्थर के सिल-बट्टे से प्रहार कर नृशंस हत्या कर डाली। वो भी सिर्फ इसलिए क्योंकि ससुर ने शराबी पिता को उसके 1 साल के मासूम बेटे को साथ ले जाने से मना कर दिया था।

जानकारी के मुताबिक, वाराणसी के जैतपुरा थाना निवासी निजामुद्दीन अहमद की शादी करीब 8 वर्ष पूर्व ईशनपुर भितरी गांव की जैकब से हुई थी। करीब एक साल पहले जैकब की बीमारी से मौत हो गई। जैकब की मौत के बाद उसके चाचा मुमताज अंसारी (60 वर्ष) उसके 1 साल के बेटे शहजाद को पालन-पोषण के लिए अपने घर ले आए थे। मासूम शहजाद तभी से अपने ननिहाल में रह रहा था।

आरोपी निजामुद्दीन पेशे से मजदूर है और शराब का बुरी तरह आदी है। उसकी खराब आदतों और रहन-सहन के कारण मुमताज और परिवार के अन्य सदस्य मासूम बच्चे को उसके साथ भेजने के पक्ष में नहीं थे। उन्हें डर था कि शराबी पिता बच्चे की सही देखरेख नहीं कर पाएगा। इसी बात को लेकर निजामुद्दीन अक्सर ससुराल आकर विवाद करता था।

शुक्रवार की सुबह खून से सनी

गुरुवार को निजामुद्दीन फिर से अपने ससुराल पहुँचा और रात में जमकर शराब पी। शुक्रवार की सुबह नशे में धुत होकर वह जबरन बच्चे को ले जाने की जिद करने लगा। जब 60 वर्षीय मुमताज अंसारी ने उसे रोकने की कोशिश की, तो दोनों के बीच तीखी बहस हो गई। आवेश में आकर हैवान बने दामाद ने घर में रखा पत्थर का भारी-भरकम सिल उठाया और मुमताज के सिर पर दे मारा।

परिजनों में कोहराम,

आरोपी गिरफ्तार

मुमताज की चीख सुनकर जब परिजन दौड़कर आए, तो वह खून से लथपथ जमीन पर पड़े थे। आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। मृतक अपने पीछे एक बेटा और दो बेटियां छोड़ गए हैं। सैदपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतक की पत्नी मैहमुन निशां की तहरीर पर आरोपी दामाद निजामुद्दीन के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पति ने पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला किया, खुद का गला रेता दोनों रेफर

आर्यावर्त संवाददाता

दोस्तपुर/सुल्तानपुर। जिले के दोस्तपुर थाना क्षेत्र के संसारपुर गांव में शनिवार सुबह एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले के बाद आरोपी ने खुद को भी घायल कर लिया। गंभीर हालत में दोनों को अंबेडकरनगर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। यह घटना चंद्रभान निषाद और उनकी पत्नी पूजा (लगभग 30 वर्ष) के बीच हुई। विवाद का मुख्य कारण चंद्रभान की नशे की लत थी। पूजा द्वारा इसका विरोध करने पर चंद्रभान ने कुल्हाड़ी से उन पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। इसके बाद आरोपी ने स्वयं का गला काटकर आत्महत्या का प्रयास भी किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दोस्तपुर ले

जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए अंबेडकरनगर के जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसओ अनिरुद्ध सिंह भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जानकारी के अनुसार, चंद्रभान और पूजा की शादी छह साल पहले हुई थी। उनके दो बच्चे हैं, दीपाली (5 वर्ष) और भोला (2 वर्ष)। चंद्रभान की शराब और गांजे की लत के कारण पूजा अक्सर अपने मायके में रहती थीं। चंद्रभान पांच दिन पहले ही उन्हें ससुराल से वापस घर लाए थे। सीओ विनय गौतम ने बताया कि पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है और विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी हुई है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

पीलीभीत में खंभे से बांधकर युवक को बेरहमी से पीटा, घटना के बाद से लापता, परिवार ने पुलिस से लगाई गुहार

आर्यावर्त संवाददाता

पीलीभीत। पीलीभीत में तीन दिन से लापता बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव पौटा कला निवासी युवक का वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ लोग युवक को खंभे से बांधकर पीटते दिख रहे हैं। आरोप है कि उक्त लोग युवक को पीटने के बाद उसे बाइक तक ले गए और जबरन बैठा लिया। इसके बाद से युवक का पता नहीं चला। युवक के परिजनों ने शुक्रवार रात करीब 11 बजे बरखेड़ा थाने में तहरीर दी है। पिटाई के वीडियो भी पुलिस को दिखाए हैं।

ग्राम पौटा कला निवासी शफीक शाह ने बताया कि उनका बड़ा पुत्र आरिफ (22 वर्ष) 24 मार्च की शाम करीब चार बजे गांव खमरिया के रास्ते स्टेशन की तरफ दौड़ लगाने जा रहा था। आरोप है कि तभी गांव के ही कुछ लोगों ने उसे रास्ते में रोक लिया। दस से बारह आरोपियों ने आरिफ को बीच रास्ते में एक खंभे से रस्सी के सहारे बांध दिया और लात-घूसों व डंडों से उसे पीटा।

नामजद आरोपियों के खिलाफ दी तहरीर

शफीक शाह के अनुसार आरोपी, उनके बेटे को अधमरी हालत में जबरन बाइक पर बैठाकर अपने साथ ले गए। आरिफ का अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। पिटाई का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। ईंट भट्ठे पर मजदूरी करने वाले शफीक शाह ने बरखेड़ा थाने में नामजद तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि उनके पास पूरी घटना का वीडियो साक्ष्य के रूप में मौजूद है। पिता ने पुलिस प्रशासन से गुहार लगाई है कि उनके बेटे को जल्द से जल्द बरामद किया जाए और आरोपियों के खिलाफ कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई की जाए। युवक के न मिलने और पीटने का कारण अभी पता नहीं चला है। फिलहाल पुलिस ने युवक की तलाश तेज कर दी है।

किशोरी के साथ चार युवकों ने किया मुंहकाला

जौनपुर। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में शौच करने गए किशोरी के साथ नकाबपोश चार युवकों ने गेहूं के खेत में सामूहिक दुष्कर्म किया, जब हालत गंभीर हो गई तो खेत में ही दुष्कर्मी युवती को छोड़कर फरार हो गए। घटना तीन दिन पहले की रात की बताई जाती है।बताया जाता है कि एक गांव में 26 मार्च की रात 9 बजे नाबालिक लड़की ष्शौच के लिए घर के बगल में गई हुई थी। जहां पर चार युवक उसको जबरदस्ती घर से 500 मीटर दूर गेहूं के खेत में उठा लें गये और वहां बारी-बारी से सामूहिक दुष्कर्म किया। जब हालत गंभीर हो गई तो चारों छोड़कर फरार हो गए। इधर रात अत्यधिक होने के कारण जब किशोरी घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू किया तो गंभीर अवस्था में उसे घर से 500 मीटर दूर गेहूं के खेत में पड़ी हुई मिली। आरोप है कि जाते जाते नकाबपोश युवकों ने नाबालिक को धमकाया कि अगर किसी से बताया तो पूरे परिवार को जान से मारकर खत्म कर देंगे।

पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर किया दरिंदा, बच्ची की गला काटकर की थी हत्या, आटे के ड्रम में छिपा दी थी लाश

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा में जूता कारखाना संचालक की आठ साल की बेटी की हत्या किराएदार सुनील ने बड़ी बेरहमी से की थी। हत्या करने के बाद उसने कमरे में जो खून बहा, उसे पानी से धोया। इसके बाद लाश को आटे के ड्रम में ठूंस दिया। इस सनसनीखेज हत्याकांड के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस ने बमरौली कटारा क्षेत्र में आरोपी को घेर लिया। इस दौरान आरोपी से पुलिस की मुठभेड़ हो गए। कई राउंड गोलियां चलीं, जिसमें एक दरोगा भी गोली लगने से घायल हो गए। इस दौरान पुलिस ने आरोपी किराएदार सुनील को ढेर कर दिया।

25 हजार का इनाम किया गया था घोषित

पुलिस के अनुसार, 24 मार्च को थाना ताजगंज क्षेत्र से 8 वर्षीय बच्ची के लापता होने के बाद तत्काल अभियोग पंजीकृत कर उसकी बरामदगी के लिए टीमों का गठन किया गया था। खोजबीन के दौरान अगले ही दिन, यानी 25 मार्च को बच्ची का शव उसी मकान में किराए पर रह रहे सुनील के कमरे में आटे के ड्रम से बरामद हुआ। इस सनसनीखेज वारदात के बाद पुलिस ने आरोपी सुनील की गिरफ्तारी के लिए 12 टीमों का गठन किया था और उस पर 25,000 रुपये का इनाम भी घोषित किया था।

मुखबिर से सूचना के बाद पुलिस ने की थी घेराबंदी

27 मार्च की रात को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर थाना बमरौली कटारा क्षेत्र में पुलिस टीमों ने घेराबंदी की। जैसे ही सुनील ने खुद को घिरते हुए देखा, उसने पुलिस टीमों पर एक के बाद एक कई राउंड फायर किए। इस फायरिंग में एक दरोगा गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की गोली लगने से सुनील घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

आरोपी के कब्जे से क्या हुआ बरामद?

पुलिस ने आरोपी सुनील के कब्जे से एक बिना नंबर की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, एक 315 बोर का तमंचा, छह खोखा और तीन कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त, नगर सैय्यद अली अब्बास ने पुलिस की तत्परता और बहादुरी की सराहना की।

अवधी को गूगल की भाषा बनाने पर व्याख्यान देंगे ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। अवधी भाषा को गूगल की भाषा कैसे बनाया जाय इस विषय को लेकर राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह 'रवि' लखनऊ में व्याख्यान देंगे।

भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय के भारतीय भाषा संस्थान व ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय द्वारा लखनऊ में पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई है। जिसमें अवधी भाषा और प्रौद्योगिकी संरक्षण संवर्धन एवं भविष्य विषय पर अलग अलग दिनों में अलग अलग स्थान पर विभिन्न विद्वानों का व्याख्यान हो रहा है। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में सोमवार तीस मार्च को विशिष्ट वक्ता के रूप में राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर व चर्चित साहित्यकार ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि अवधी भाषा को गूगल की भाषा बनाकर इंटरनेट पर सशक्त करने को लेकर अपने विचार रखेंगे। कार्यक्रम अर्जुनगंज स्थित उत्तर प्रदेश साहित्य सभा के सभागार में होगा।

गैस किल्लत का असर, बीआरसी केंद पर चूल्हे और तंदूर पर बनाया जा रहा प्रशिक्षण के लिए आए शिक्षकों का भोजन

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में धामपुर स्थित बीआरसी केंद्र पर गैस सिलिंडरों की कमी का असर देखने को मिला। शनिवार से शुरू हुए तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान भोजन बनाने के लिए गैस उपलब्ध न होने पर कारीगरों को लकड़ी के चूल्हे बनाकर खाना पकाने की व्यवस्था करनी पड़ी।

बेसिक शिक्षा विभाग के निर्देश पर बीआरसी केंद्र पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल शिक्षकों के लिए पहली बार भोजन की व्यवस्था की गई है। प्रशिक्षण के दौरान मध्याह्न भोजन की तरह ही शिक्षकों के लिए भोजन तैयार कराया जा रहा है। हालांकि गैस सिलिंडरों की कमी के कारण भोजन पकाने में कठिनाई सामने आई। ऐसे में कारीगरों को मजबूरी में लकड़ी के चूल्हों का सहारा लेना पड़ा।

लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाने में बढ़ी परेशानी

भोजन बनाने वाले कारीगर मनोज कुमार, वीर बहादुर सिंह और बासु राम ने बताया कि गैस सिलिंडरों का टोटा होने के कारण लकड़ी के चूल्हों पर खाना पकाना पड़ रहा है। लकड़ी के चूल्हे पर भोजन बनाने में समय अधिक लगता है और काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि लकड़ी भी करीब एक हजार रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से मिल रही है, जिससे खर्च भी बढ़ गया है। गैस सिलिंडर होने पर कम समय में आसानी से भोजन तैयार किया जा सकता है।

तंदूर लगाकर बनाई जा रही रोटियां

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान भोजन की व्यवस्था बनाए रखने के लिए कचौड़ी के स्थान पर तंदूर लगाया गया है। लकड़ी के जरिए तंदूर में रोटियां बनाकर शिक्षकों को उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि प्रशिक्षण के दौरान भोजन की व्यवस्था प्रभावित न हो।

मुरादाबाद में किशोरी की परिस्थितियों में मौत, प्रेमी ने परिवार पर लगाया हत्या का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। कटघर क्षेत्र के मुहल्ला सूरज नगर में संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी की मृत्यु हो गई। किशोरी के प्रेमी ने पुलिस को फोन कर हत्या करने का आरोप लगाते हुए सूचना दे दी। पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

किशोरी के स्वजन का कहना है कि पिछले 15 दिनों से बीमार चल रही थी और कासमास में उपचार के दौरान मृत्यु हुई है। मुहल्ला सूरज नगर निवासी एक व्यक्ति की नाबालिग बेटी का मुहल्ले के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जनवरी माह में किशोरी प्रेमी के साथ फरार हो गई थी। पुलिस ने किशोरी को अगले दिन तलाश लिया था और स्वजन को सौंप दिया था। उधर शुक्रवार की रात किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई।

सुबह शव के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे

स्वजन शनिवार को सुबह शव के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच किशोरी के प्रेमी ने पुलिस को सूचना दी कि उसके परिवार वालों ने हत्या कर दी। जानकारी मिलते ही पुलिस में खलबली मच गई। पुलिस मौके पर पहुंची। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि अभी तक की जांच में सामने आया है कि किशोरी पिछले 15 दिन से बीमार चल रही थी। इसका उपचार कासमास में चल रहा था। कासमास अस्पताल में ही उसकी मृत्यु हुई है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

अफवाहों पर नियंत्रण के लिए प्रशासन सख्त

दो दर्जन से अधिक पेट्रोल पंपों पर छापेमारी

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जनपद में गैस पेट्रोल एवं डीजल की कमी को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया हैं जिलाधिकारी कुमार हर्ष के निर्देश पर आपूर्ति विभाग ने जिले के विभिन्न पेट्रोल पंपों एवं गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया और आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लिया जिला पूर्ति विभाग के सभी सप्लाई इंस्पेक्टर ने सुबह 7 बजे से ही कादीपुर अखंडनगर, लंभुआ, नारायणपुर, पयागीपुर आहट, तथा बस अड्डा क्षेत्र सहित जनपद के दो दर्जन से अधिक पेट्रोल पंपों पर एक साथ निरीक्षण एवं छापेमारी की कार्रवाई की इस दौरान सप्लाई इंस्पेक्टर वैभव श्रीवास्तव एवं मुबीन सिद्दीकी लगातार पेट्रोल पंपों पर मौजूद रहे और आम जनता से सीधा संवाद कर स्थिति स्पष्ट की निरीक्षण

के दौरान अधिकारियों ने पेट्रोल पंपों पर उपलब्ध ईंधन स्टॉक की जांच की तथा आपूर्ति व्यवस्था को परखा। जिला पूर्ति अधिकारी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जनपद में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता हैं इसलिए किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें उन्होंने पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देशित किया कि उपभोक्ताओं के साथ किसी प्रकार का भेदभाव या दुर्व्यवहार न किया जाए तथा सभी को सामान्य रूप से ईंधन उपलब्ध कराया जाए यदि किसी व्यक्ति को पेट्रोल डीजल या गैस प्राप्त करने में समस्या आती हैं तो वह जिला पूर्ति कार्यालय सुलतानपुर के कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 9120098526, 7800900041 एवं 9696282871 पर संपर्क कर सकता हैं। जनता से अपील प्रशासन ने लोगों से घबराकर ईंधन की अनावश्यक खरीदारी न करने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की हैं प्रशासन द्वारा लगातार पेट्रोल पंपों एवं गैस एजेंसियों की निगरानी की जा रही हैं ताकि कालाबाजारी या कृत्रिम संकट की स्थिति उत्पन्न न हो डीजल-पेट्रोल की सुचारु आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश जारी अब बोतल, डिब्बे व ड्रम में ईंधन देने पर सख्ती जनपद में डीजल एवं पेट्रोल की आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा नए निर्देश जारी किए गए हैं आदेश के अनुसार अब पेट्रोल पंपों से ईंधन बोतल, डिब्बे, ड्रम या अन्य पात्रों में देने पर सख्ती बरती जाएगी। उपभोक्ताओं को पेट्रोल-डीजल केवल वाहनों में ही उपलब्ध कराया जाएगा प्रशासन का कहना हैं कि यह कदम अनावश्यक भंडारण एवं कालाबाजारी रोकने के लिए उठाया गया हैं। पेट्रोल पंप संचालकों को पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने तथा नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित संचालकों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी साथ ही अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर आपूर्ति व्यवस्था पर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

चंदौसी बड़ा बाजार में सब्जी कारोबारी को गोली मारी, जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में हुआ बवाल

आर्यावर्त संवाददाता

चंदौसी। शहर के बड़े बाजार में सुबह को बवाल हो गया। जमीन के विवाद में दो कारोबारी पक्ष आमने-सामने आ गए। कहासुनी और लाठी-डंडे चलने के बाद फायरिंग हो गई। गोली सब्जी कारोबारी के हाथ में लगने से वह घायल हो गए। मामले की जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया है। घटना से शहर में हलचल मच गई।

बड़े बाजार में पुरानी सब्जी मंडी में निखिल गुप्ता पक्ष द्वारा चार दुकानों का निर्माण कराया जा रहा है। जिस जमीन पर दुकानें बन रही हैं। उस जमीन पर बड़े बाजार में घड़ी की दुकान चलाने वाले व्यापारी निशांत वार्ष्णेय भी अपना दावा कर रहे हैं।

इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कई दिनों में तनातनी का माहौल बना हुआ है। इस क्रम में शनिवार की सुबह करीब साढ़े आठ बजे निखिल गुप्ता, उनके भाई अर्पित और पिता गोपीराम दुकानों पर पहुंचे और शटर लगवाने का शुरू करवा दिया। आरोप है कि निशांत व उसका भाई प्रशांत आए और लाठी-डंडों के साथ मारपीट करते हुए तमंचे से फायरिंग कर दी। जिससे गोली निखिल के बाए हाथ में गोली लग गई। उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया। घटना से क्षेत्र में खलबली मच गई। प्रभारी निरीक्षक अनुज तोमर ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

विटामिन सी से जुड़ी ये बातें नहीं जानते होंगे आप, मिथक और फैक्ट्स जानकर ही खरीदें सीरम

विटामिन सी आपकी इम्यूनिटी को मजबूत रखने से लेकर त्वचा को चमकदार बनाए रखने के लिए जरूरी न्यूट्रिएंट्स माना जाता है। खाने से हमारी स्किन को जरूरत के मुताबिक, विटामिन सी नहीं मिल पाता है, इसलिए कई बार इसे त्वचा पर भी अप्लाई करने की जरूरत पड़ जाती है। ऐसे में जरूरी है कि आप विटामिन सी से जुड़ी कुछ जरूरी बातें जान लें।

विटामिन सी एक बेहद जरूरी न्यूट्रिएंट्स है, लेकिन इसका प्रोडक्शन शरीर में खुद नहीं होता है। इस वजह से आपको खाने के जरिए इसकी पूर्ति करनी होती है। इसके बावजूद भी इसका बहुत छोटा हिस्सा ही हमारी स्किन तक पहुंचता है। स्किन को हेल्दी रखने के लिए त्वचा पर विटामिन सी अप्लाई करने की सलाह दी जाती है। ये कोलेजन को बूस्ट करने में अहम रोल प्ले करता है। आज के टाइम में मार्केट में विटामिन सी सीरम से लेकर इसके कई तरह के प्रोडक्ट मौजूद हैं। अगर आप भी अपनी स्किन को हेल्दी बनाने के लिए विटामिन सी के प्रोडक्ट लेना चाहते हैं तो इससे पहले आपको इस न्यूट्रिएंट्स से जुड़े कुछ फैक्ट्स पता होना बेहद जरूरी है।

कई बार लोग सोशल मीडिया से इंफ्लुएंस होकर ब्यूटी प्रोडक्ट खरीद लेते है। इसी तरह से विटामिन सी का सीरम भी बिना कुछ जानें-समझे अप्लाई कर लेते हैं तो आपकी त्वचा को नुकसान हो सकता है। इस आर्टिकल में विटामिन सी से जुड़े फैक्ट्स को हम डिटेल के साथ जानेंगे।

विटामिन सी के हैं कई टाइप

लोगों को लगता है कि विटामिन सी मतलब विटामिन सी, लेकिन इसके भी कई प्रकार होते हैं। इसका सबसे कॉमन टाइप है एल-एस्कॉर्बिक एसिड। ये सबसे ज्यादा रिएक्टिव फॉर्म होती है, जिससे जलन की समस्या होने की संभावना रहती है। इसकी बाकी फॉर्म की बात करें तो ये एथिल एस्कॉर्बिक एसिड, एस्कॉर्बिल पामिटेट, टेट्राहेक्सिल्डेसिल एस्कॉर्बेट और मैग्नीशियम एस्कॉर्बिल फॉस्फेट होते हैं। अगर आप विटामिन सी सीरम खरीदना चाहते हैं तो इस पर लिखे "एस्कॉर्ब" पर जरूर ध्यान दें। इससे आप अपनी स्किन के हिसाब से सही सीरम चुन सकते हैं ताकि किसी तरह का कोई सेंसटिविटी न हो। अगर आप विटामिन सी की स्टेबल फॉम खरीदते हैं तो रिएक्शन होने के चांस न के बराबर होते हैं।

तेल में घुलनशील या पानी में?

अगर आपको विटामिन सी के सीरम से सेंसटिविटी का एक्सपीरियंस हुआ है या फिर अच्छा रिजल्ट नहीं मिला है तो आपके एक और बात ध्यान में रखने की जरूरत है। आप जो विटामिन सी यूज कर रहे हैं वो तेल (oil soluble) में घुलनशील है या फिर पानी में घुलनशील (water soluble) है। दरअसल हमारी स्किन लिपिड यानी ऑयल की डबल लेयर से घिरी होती हैं। ऐसे में अगर आप वाटर बेस्ड विटामिन सी लेते हैं तो ये हो सकता है कि उतना इफेक्टिव न हो। आप ऑयल सॉल्युबल विटामिन सी अप्लाई करते हैं तो ये आपकी त्वचा में गहराई तक पहुंचता है।

कब करें विटामिन सी का यूज?

विटामिन सी को लगाने के सही टाइम की बात करें तो ज्यादातर लोग इसे रात में लगाकर सोते हैं। फिलहाल इसे दिन में लगाना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। रिसर्च कहती है कि सनस्क्रीन आपकी स्किन को यूवी किरणों से 55 प्रतिशत ही बचा पाती है, जबकि 10 प्रतिशत विटामिन सी के यूज से यूवी किरणों से होने वाली लालिमा में 52 प्रतिशत तक की कमी देखी गई। इस तरह से आप विटामिन सी को दिन में लगा सकते हैं और इसके बाद सनस्क्रीन लगाएं, जिससे उसका असर बढ़ जाता है।

किन प्रोडक्ट के साथ लगा सकते हैं?

विटामिन सी को लेकर लोगों के मन में ये भी सवाल होता है कि क्या इसे दूसरे सीरम या ब्यूटी प्रोडक्ट के साथ लगाया जा सकता है। इसका जवाब है हां। आप विटामिन सी को विटामिन ई, फेरुलिक एसिड, सनस्क्रीन, नियासिनमाइड, हाइलूरोनिक एसिड के साथ लगा सकते हैं। ये सभी ज्यादातर सेफ कॉम्बिनेशन होते हैं और आपकी स्किन में नमी बनाए रखने के साथ ही चमकदार भी बनाते हैं। इन सबमें भी आपको ये ध्यान रखना है कि बाकी के प्रोडक्ट भी अपनी स्किन टाइप और जरूरत के हिसाब से ही चुनें ताकि सही रिजल्ट मिले। इसके लिए एक्सपर्ट से सलाह ली जा सकती है। विटामिन सी को रेटिनॉल के साथ लगाने से बचना चाहिए।

क्या ये स्किन को एक्सफोलिएट करता है?

विटामिन सी से अमूमन जल्दी ही रिजल्ट दिखने शुरू हो जाते हैं। इस वजह से कई बार लोगों को लगता है कि क्या ये स्किन को एक्सफोलिएट करता है, लेकिन ऐसा नहीं है। स्किन को ट्रेडिशनली एक्सफोलिएट करने के लिए दानेदार स्क्रब से मसाज करनी होती है। विटामिन सी आपकी स्किन की कोशिकाओं के माइटोकॉर्न्ड्रिया पर असर डालता है। इससे आपकी स्किन को एनर्जी मिलती है। नई कोशिकाओं का निर्माण होता है और पुरानी कोशिकाएं झड़ने लगती हैं। इससे त्वचा चमकदार बनती है। दरअसल विटामिन सी स्किन की एक्सफोलिएशन प्रोसेस को अंदर से बेहतर बनाता है।

कितनी मात्रा है सही?

विटामिन सी से आपको कैसा रिजल्ट मिलेगा ये प्रोडक्ट की क्वालिटी पर भी डिपेंड करता है। कई विटामिन सी बेस्ड प्रोडक्ट ये दावा तो करते हैं, लेकिन उनमें विटामिन सी की मात्रा बहुत कम पाई जाती है। 20 प्रतिशत तक विटामिन सी के प्रोडक्ट अच्छा असर दिखाते हैं। हालांकि इसमें भी विटामिन सी के टाइप पर ध्यान देना जरूरी होता है। फिलहाल डेली रूटीन के यूज के लिए 2.15 से 10 प्रतिशत तक विटामिन सी का यूज करना सही रहता है।

सिर्फ पार्टनर ही नहीं दोस्त भी हो सकते हैं टॉक्सिक, इन संकेतों से पहचानें

दोस्ती एक ऐसा रिश्ता होता है, जिसमें प्यार और सम्मान दोनों होता है। दोस्तों के बिना तो मानो जिंदगी अधूरी सी लगती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कई दोस्त ऐसे भी होते हैं, जो टॉक्सिक होते हैं। लेकिन हम उनका पता नहीं लगा पाते और दोस्ती में घुटन महसूस होने लगती है। चलिए जानते हैं ऐसे ही 5 साइन जो बताते हैं कि आप टॉक्सिक फ्रेंडशिप में हैं।

टॉक्सिक रिश्तों की बात होते ही आमतौर पर लोगों का ध्यान लव पार्टनर की ओर जाता है, लेकिन सच्चाई यह है कि दोस्ती में भी टॉक्सिसिटी उतनी ही गहरी और नुकसानदायक हो सकती है। एक टॉक्सिक दोस्त धीरे-धीरे आपके कॉन्फिडेंस को कम कर सकता है, आपकी खुशियों को नजरअंदाज कर सकता है और आपको हर समय नेगेटिव महसूस करा सकता है। कई बार यह बदलाव इतना धीरे-धीरे होता है कि हमें एहसास ही नहीं होता कि हम एक ऐसी दोस्ती में फंसे हैं, जो हमें आगे बढ़ाने के बजाय पीछे खींच रही है।

आज के समय में, जहां हर कोई अपने जीवन में शांति और पॉजिटिविटी चाहता है, यह समझना बेहद जरूरी हो जाता है कि कौन-सी दोस्ती आपके लिए सही है और कौन-सी आपको नुकसान पहुंचा रही है। अगर आप भी कभी अपने किसी दोस्त के व्यवहार से असहज, दबाव में या लगातार दुखी महसूस करते हैं, तो यह संकेत हो सकता है कि वह दोस्ती टॉक्सिक है। चलिए जानते हैं उन संकेतों के बारें जिससे हम पता लगा सकते हैं कि हमारा दोस्त टॉक्सि है क नहीं।

हमेशा नेगेटिविटी फैलाना

अगर आपका दोस्त हर बात में नकारात्मकता ढूंढता है, आपकी खुशी में कमी निकालता है या हमेशा शिकायत ही करता रहता है, तो यह टॉक्सिक होने का एक बड़ा संकेत है। ऐसे लोग आपकी पॉजिटिव एनर्जी को धीरे-धीरे खत्म कर देते हैं।

जरूरत पड़ने पर ही याद करना

दोस्ती का मतलब होता है हर समय एक दूसरे के लिए अवेलेबल रहना। लेकिन अगर आपका दोस्त टॉक्सिक है तो वो अक्सर सिर्फ काम के समय पर आपको याद करेगा। ऐसे दोस्तों को आपकी भावनाओं या जरूरतों की परवाह नहीं होती, जिससे रिश्ता एकतरफा लगने लगता है।

आपकी बाउंड्रीस का सम्मान न करना

अगर कोई दोस्त आपकी पर्सनल स्पेस, समय या फैसलों की इज्जत नहीं करता और बार-बार आपकी बाउंड्रीस को तोड़ता है, तो यह एक बड़ा रेड फ्लैग है। ऐसे दोस्त विश्वास के काबिल भी नहीं होते हैं।

लगातार आलोचना और नीचा दिखाना

असली दोस्त वही होता है जो हर फैसले में आपका साथ दें। लेकिन अगर कोई दोस्त आपको हर बात पर जज करता है, मजाक उड़ाता है या दूसरों के सामने शर्मिंदा करता, तो ये सभी संकेत बताते हैं कि दोस्त आपको सपोर्ट करने के बजाय आपकी आत्मसम्मान को चोट पहुंचा रहा है।

गिल्ट ट्रिप कराना और इमोशनल कंट्रोल

अगर दोस्त आपको हर चीज के लिए दोषी महसूस कराता है या इमोशनल तरीके से कंट्रोल करने की कोशिश करता है (जैसे 'तुम अच्छे दोस्त नहीं हो'), तो यह टॉक्सिक व्यवहार है। ऐसे दोस्त कभी आपका अच्छा नहीं सोचते हैं और आपके साथ खड़े भी नहीं रहते हैं।

हाथ-पैर रहते हैं सुन्न, कंट्रोल में नहीं रहता शरीर? कहीं आपको मल्टीपल स्क्लेरोसिस तो नहीं हो गया

वैश्विक स्तर पर बढ़ती लाइफस्टाइल में खराबी से संबंधित बीमारियां तो स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए गंभीर चिंता का कारण बनी ही हैं, साथ ही बढ़ते ऑटोइम्यून रोगों को लेकर भी स्वास्थ्य विशेषज्ञ काफी चिंतित हैं। ऑटोइम्यून डिजीज ऐसी स्थितियां है जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से शरीर की ही स्वस्थ कोशिकाओं और ऊतकों पर अटैक करके उन्हें नुकसान पहुंचाती है। ऑटोइम्यून बीमारियों को पूरी तरह से ठीक नहीं किया जा सकता है, बस इसके लक्षणों को कंट्रोल किया जा सकता है।

मल्टीपल स्क्लेरोसिस भी ऐसी ही एक क्रॉनिक ऑटोइम्यून बीमारी है जो सेंट्रल नर्वस सिस्टम को प्रभावित करती है। ये नसों के चारों ओर मौजूद सुरक्षात्मक माइलिन शीथ पर अटैक करती है। इससे मस्तिष्क और शरीर के बीच चलने वाले सिग्नल बाधित हो जाते हैं। संकेतों का आदान-प्रदान बाधित होने के कारण कई तरह की दिक्कतें हो सकती है। आमतौर पर इससे प्रभावित लोगों को थकान, सुन्न होने, देखने में दिक्कत और कमजोरी की समस्या हो सकती है। अगर आपको भी शारीरिक संतुलन बनाने में कठिनाई होती है, मांसपेशियों में कमजोरी बनी रहती है तो सावधान हो जाना चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मल्टीपल स्क्लेरोसिस एक गंभीर और धीरे-धीरे बढ़ने वाली ऑटोइम्यून बीमारी है, जो दिमाग और रीढ़ की हड्डी यानी केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करती है।

हमारे शरीर में नसों के चारों ओर मायलिन नाम की एक सुरक्षात्मक परत होती है।

ये इलेक्ट्रिक तार के कवर की तरह काम करती है और दिमाग से शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक संदेशों को तेजी से पहुंचाने में मदद करती है।

मल्टीपल स्क्लेरोसिस में शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से इसी मायलिन पर अटैक कर देती है।

जब यह परत क्षतिग्रस्त हो जाती है तो नसों के माध्यम से संदेशों का प्रवाह धीमा या बाधित हो जाता है।

यही कारण है कि इस बीमारी में अलग-अलग तरह के न्यूरोलॉजिकल लक्षण दिखाई देते हैं।

समय रहते इस समस्या के लक्षणों की पहचान कर इसका इलाज कराना जरूरी हो जाता है।

आपको भी तो नहीं हो हो रहे हैं मल्टीपल स्क्लेरोसिस के लक्षण?

मल्टीपल स्क्लेरोसिस की समस्या के कारण आपकी नजर में बदलाव, मांसपेशियों में कमजोरी, हाथ-पैरों के सुन्न होना होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मल्टीपल स्क्लेरोसिस के शिकार लोगों में डबल विजन होने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है। इस बीमारी में लोगों को कई तरह की दिक्कतें हो सकती हैं और ये दिक्कतें इस बात पर निर्भर करती हैं कि दिमाग या रीढ़ की हड्डी का कौन-सा हिस्सा प्रभावित हुआ है। नसों के सिग्नल प्रभावित होने के कारण आपको और कई तरह की दिक्कतें होने लग जाती हैं।

शरीर के किसी हिस्से में सुन्नपन या झनझनाहट

शरीर का संतुलन गड़बड़ होना।

मांसपेशियों में कमजोरी या अकड़न रहना।

अत्यधिक थकान बना रहना।

याददाश्त और ध्यान में कमी

मूत्र संबंधी समस्याएं, अपने आप पेशाब तक हो जाने जैसी दिक्कतें।

ईरान में जंग से उर्वरक संकट

खेती पर असर से महंगी हो सकती हैं खाने-पीने की चीजें, चिंता में दुनियाभर के किसान

होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा के कारण उर्वरक संकट गहराया है, जिससे किसानों की लागत बढ़ने और आने वाले समय में फसल उत्पादन घटने के साथ खाद्य महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। आइए विस्तार से जानते हैं।

उर्वरकों, खासकर

पश्चिम एशिया में जारी ईरान संघर्ष का असर अब वैश्विक कृषि क्षेत्र पर भी साफ दिखने लगा है। होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने से उर्वरकों की कमी गहराने लगी है, जिससे दुनियाभर के किसानों की लागत बढ़ रही है और आने वाले समय में खाद्य कीमतों में तेजी की आशंका जताई जा रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान की ओर से जलडमरूमध्य से गुजरने वाली शिपमेंट को सीमित करने के कारण वैश्विक उर्वरक आपूर्ति प्रभावित हुई है। यह जलमार्ग दुनिया के करीब 20% तेल और लगभग एक-तिहाई उर्वरक व्यापार के लिए अहम है।

सबसे ज्यादा असर किस पर पड़ रहा है?

सबसे ज्यादा असर नाइट्रोजन आधारित यूरिया पर पड़ा है, जिसकी वैश्विक आपूर्ति का करीब 30% हिस्सा इस संकट से प्रभावित बताया जा रहा है। यूरिया की आपूर्ति में देरी और एलएनजी की बढ़ती कीमतों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है, क्योंकि एलएनजी इसका प्रमुख कच्चा माल है।

विकासशील देशों के किसानों के लिए गंभीर खतरा

वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के डिप्टी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर कार्ल स्काउ ने चेतावनी दी है कि यह संकट खासकर विकासशील देशों के किसानों के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। उन्होंने कहा कि सबसे खराब स्थिति में फसल उत्पादन घट सकता है या फसलें खराब हो सकती हैं, जबकि बेहतर स्थिति में भी बढ़ी लागत का असर खाद्य कीमतों पर दिखेगा।

अफ्रीका और एशियाई देश खाड़ी पर उर्वरक के लिए निर्भर

फॉस्फेट उर्वरक की आपूर्ति भी दबाव में है। सऊदी अरब वैश्विक फॉस्फेट उत्पादन का बड़ा हिस्सा करता है, वहीं सल्फर, जो उर्वरक का अहम घटक है। इनकी सप्लाई भी प्रभावित हो रही है।

अफ्रीका और एशिया के कई देश, जो खाड़ी क्षेत्र से उर्वरक आयात पर निर्भर हैं, पहले से ही संकट का सामना कर रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, इथियोपिया अपनी 90% से अधिक नाइट्रोजन उर्वरक जरूरत खाड़ी क्षेत्र से पूरी करता है, जहां आपूर्ति पहले से ही प्रभावित है।

उर्वरक न मिलने से क्या होगा?

यह संकट ऐसे समय आया है जब उत्तरी गोलार्ध में बुआई का मौसम शुरू हो चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर उर्वरक न मिलने से फसलों की शुरुआती वृद्धि प्रभावित होती है, जिससे उत्पादन में गिरावट आ सकती है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर यह स्थिति बनी रहती है तो किसान कम उर्वरक का उपयोग करेंगे या कम लागत वाली फसलों की ओर रुख करेंगे, जिससे उत्पादन घटेगा और उपभोक्ताओं के लिए खाद्य महंगाई बढ़ सकती है।

चीन और रूस जैसे बड़े उत्पादक देशों से भी तत्काल राहत की उम्मीद कम है, क्योंकि चीन घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता दे रहा है, जबकि रूस की उत्पादन क्षमता पहले से ही उच्च स्तर पर है।

विशेषज्ञों का मानना है कि सरकारों को इस संकट से निपटने के लिए सब्सिडी, घरेलू उत्पादन बढ़ाने और निर्यात नियंत्रण जैसे कदम उठाने पड़ सकते हैं। कुल मिलाकर, यह संकट वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए एक नई चुनौती बनता जा रहा है।

वंदे भारत में खाने के लिए मिली दही में कीड़े मिलने पर बड़ी कार्रवाई, आईआरसीटीसी पर 10 लाख और कैटरर पर 50 लाख का लगा जुर्माना

भारतीय रेल मंत्रालय ने वंदे भारत एक्सप्रेस में परोसे गए खाने की गुणवत्ता को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। दही में कीड़े मिलने की शिकायत के बाद मंत्रालय ने सख्त रुख अपनाते हुए आईआरसीटीसी पर 10 लाख रुपये और संबंधित कैटरिंग कंपनी पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

सोशल मीडिया वीडियो से खुला मामला

यह मामला तब सामने आया जब पटना से टाटानगर जा रही वंदे भारत ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किया। वीडियो में डिनर के साथ दी गई दही में कीड़े दिखाई दे रहे थे। यात्री ने यह भी दावा किया कि अन्य यात्रियों को परोसी गई दही में भी इसी तरह की समस्या थी।

तत्काल कार्रवाई, कॉन्ट्रैक्ट रद्द

शिकायत मिलते ही भारतीय रेल ने तुरंत जांच शुरू की और कार्रवाई करते हुए संबंधित कैटरिंग कंपनी का कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया। साथ ही उस पर 50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। वहीं, खानपान सेवा की निगरानी में कमी को लेकर ड्यूक्रष्टज्जष्ट पर 10 लाख रुपये का दंड लगाया गया।

मंत्रालय का बयान

रेल मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि 15 मार्च 2026 को ट्रेन नंबर 21896 (पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस) में मिली शिकायत को बेहद गंभीरता से लिया गया है। यात्रियों की सुरक्षा और भोजन की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

'प्रीमियम ट्रेनों में नहीं चलेगी लापरवाही'

रेलवे प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि वंदे भारत जैसी प्रीमियम ट्रेनों में उच्च गुणवत्ता और स्वच्छता बनाए रखना अनिवार्य है। यात्रियों को बेहतर सुविधा देना प्राथमिकता है, ऐसे में किसी भी तरह की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस घटना के बाद रेलवे ने संकेत दिए हैं कि आने वाले समय में ट्रेनों में फूड क्वालिटी को लेकर निगरानी और भी कड़ी की जाएगी, ताकि यात्रियों का भरोसा बरकरार रखा जा सके।

देशभर में पेट्रोल-डीजल की सप्लाई सामान्य, तेजी से बढ़ाए जा रहे पीएनजी कनेक्शन : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने साफ किया है कि देशभर में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और सभी रिटेल पेट्रोल पंप सुचारू रूप से काम कर रहे हैं। सरकार के मुताबिक, देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और कहीं भी कमी की स्थिति नहीं है। सरकार ने बताया कि सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल का भी पर्याप्त भंडार मौजूद है। हालांकि, कुछ जगहों पर अफवाहों के चलते लोगों ने घबराकर ज्यादा खरीदारी की, लेकिन अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं।

सरकार ने बताया कि घरेलू पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) और सीएनजी ट्रांसपोर्ट की आपूर्ति 100 प्रतिशत बनाए रखी जा रही है। वहीं, औद्योगिक और व्यावसायिक उपभोक्ताओं को औसत खपत के लगभग 80 प्रतिशत तक गैस सप्लाई दी जा रही है, ताकि उनका कामकाज प्रभावित न हो और देश की आर्थिक गतिविधियां जारी रहें।

इस बीच, सरकार ने नेचुरल गैस एंड पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूशन ऑर्डर, 2026 को अधिसूचित किया है। इसका उद्देश्य पूरे देश में पाइपलाइन नेटवर्क के विस्तार को तेज करना है। इस नए फ्रेमवर्क से समयबद्ध तरीके से पाइपलाइन बिछाने में मदद मिलेगी और जमीन से जुड़ी दिक्कतों को भी कम किया जा सकेगा। पीएनजी कनेक्शन के विस्तार में भी तेजी आई है। एक ही दिन में 110 से ज्यादा भौगोलिक क्षेत्रों में रिकॉर्ड 9,046 नए पीएनजी कनेक्शन दिए गए। इस काम को बढ़ावा देने के लिए इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) और 'गेल' जैसी कंपनियां नए प्रोत्साहन दे रही हैं। वहीं, दिल्ली में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने 24 घंटे पाइपलाइन बिछाने की अनुमति दे दी है और सड़क मरम्मत शुल्क भी माफ कर दिया है।

भारत की सुरक्षा के खिलाफ कुछ भी नहीं करेगा बांग्लादेश... उच्चायुक्त बोले- दोनों देश बेफिक्र रहें

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 26 मार्च को 56वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस मौके पर भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हामिदुल्ला ने कहा कि ढाका ऐसा कोई भी कदम नहीं उठाएगा जिससे भारत की सुरक्षा पर कोई असर पड़े। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश कभी भी ऐसा कुछ नहीं करेगा जो भारत की सहूलियत के खिलाफ हो। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के मामलों में भी बांग्लादेश ऐसा कुछ नहीं करेगा जो भारत के खिलाफ जाए। रियाज ने कहा कि हमारे दोनों देशों को आश्वस्त और बेफिक्र महसूस करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भविष्य के रिश्तों के लिए एक सकारात्मक संकेत पहले ही मिल चुका है। यह संकेत बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजे गए एक मैसेज से मिला है। इससे ऐसा मालूम होता है कि दोनों देशों का नेतृत्व भविष्य में अपने रिश्तों को किस दिशा में ले जाना चाहता है। रियाज हामिदुल्ला ने कहा कि दोनों देशों के नेतृत्व के बीच एक नया माहौल बन रहा है। बांग्लादेश में हाल के राजनीतिक घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देश में 19 दिनों तक शांतिपूर्ण चुनाव हुए। उन्होंने यह भी बताया कि भारत से आए पत्रकारों ने भी जमीनी हालात का जायजा लिया था। उन्होंने कहा कि चुनाव हुए एक महीना हो गया है और बांग्लादेश में सब कुछ स्थिर है। इन लोगों को अस्थिरता का डर था, वे गलत साबित हुए हैं। उन्होंने बांग्लादेश को एक खुला समाज बताया, जहां सार्वजनिक बहस होना स्वाभाविक है। कई बार ये बहस ज्यादा भी हो जाती है।

हिजबुल्ला और हमास के बाद अब यमन से हुए मिसाइल हमले, चौतरफा फंसे नेतन्याहू

तेल अवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध अब नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। इस्राइल अब सिर्फ ईरान, हिजबुल्ला और हमास से ही नहीं, बल्कि यमन से भी हमलों का सामना कर रहा है। यमन से पहली बार मिसाइल दागे जाने के बाद हालात और गंभीर हो गए हैं। इससे साफ संकेत मिल रहा है कि इस्राइल अब चारों तरफ से घिरता जा रहा है और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

इस्राइली सेना के मुताबिक, शनिवार सुबह यमन की ओर से एक मिसाइल दागी गई। इसके बाद बीयर शेबा और परमाणु रिसर्च सेंटर के आसपास सायरन बजने लगे। इससे पहले भी ईरान और हिजबुल्ला लगातार हमले कर रहे थे। यमन के हूती विद्रोही, जो तेहरान समर्थित माने जाते हैं। वो अब इस युद्ध में खुलकर

उतरते दिख रहे हैं, हालांकि उन्होंने इस हमले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

क्या यमन के हूती अब युद्ध में उतर आए हैं?

हूती विद्रोही लंबे समय से यमन की राजधानी सना पर कब्जा किए हुए हैं। अब उनके प्रवक्ता ने साफ संकेत दिया है कि अगर ईरान पर हमले जारी रहे तो वे सीधे सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी उंगलियां ट्रिगर पर हैं। इससे यह साफ हो गया है कि युद्ध का दायरा और बढ़ सकता है।

कैसे चारो तरफ से घिरा इस्राइल?

इस्राइल पर एक साथ कई दिशाओं से दबाव बढ़ रहा है। ईरान लगातार मिसाइल हमले कर रहा है। हिजबुल्ला लेबनान से हमला कर रहा है। गाजा से हमास सक्रिय है और अब यमन से भी खतरा बढ़ गया है। इससे इस्राइल की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा दबाव बन गया है।

क्या ईरान ने भी जवाबी हमला तेज कर दिया है?

इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की। सऊदी अरब के एक सैन्य बेस पर ईरानी हमले में अमेरिकी सैनिक घायल हुए और कई विमान क्षतिग्रस्त हुए। इससे यह संघर्ष अब और ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रूप लेता दिख रहा है।

वैश्विक व्यापार पर कितना असर पड़ा?

लाल सागर और होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा बढ़ने से वैश्विक व्यापार पर असर पड़ रहा है। पहले ही हूती विद्रोहियों ने कई जहाजों को निशाना बनाया है। होर्मुज से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल और गैस सप्लाई होता है। ऐसे में इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने से वैश्विक बाजार भी प्रभावित हो रहे हैं।

क्या इस्राइल-ईरान टकराव अब और बढ़ेगा?

इस्राइल ने साफ कहा है कि वह अपने अभियान को और तेज करेगा। वहीं ईरान ने भी भारी कीमत चुकाने की चेतावनी दी है। इससे यह साफ है कि दोनों पक्ष पीछे हटने के मूड में नहीं हैं और आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ सकते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइल और सऊदी अरब के बीच संबंध सामान्य करने की बात फिर दोहराई है। लेकिन मौजूदा हालात में यह आसान नहीं दिख रहा। फलस्तीन मुद्दा अभी भी बड़ी बाधा बना हुआ है।

जिस तरह अलग-अलग देशों और समूहों की एंट्री हो रही है, उससे यह खतरा बढ़ गया है कि यह युद्ध पूरे पश्चिम एशिया को अपनी चपेट में ले सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर हालात ऐसे ही रहे, तो यह संघर्ष और ज्यादा व्यापक और खतरनाक हो सकता है।

भारत ही नहीं ऑस्ट्रेलिया में भी पेट्रोल-डीजल को लेकर मारामारी, 400 परसेंट बढ़ गई डिमांड

मेलबर्न, एजेंसी। भारत के अलग-अलग शहरों से पेट्रोल और गैस के लिए लंबी कतारों की खबरें आ रही हैं। शुक्रवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने देश की जनता को भरोसा दिलाया कि भारत इस संकट से एक साथ निपट लेगा और देश में कोई लॉकडाउन नहीं लगाया जाएगा। मध्य पूर्व में तनाव के बीच ऐसी चिंताएं सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है। बल्कि प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने भी ऑस्ट्रेलिया के लोगों को भरोसा दिलाया है कि ईंधन की सप्लाई बनी रहेगी।

अल्बनीज का ये बयान तब आया है जब ऑस्ट्रेलिया में लोगों ने घबराहट में पेट्रोल और गैस जमा करना शुरू कर दिया और देश के कुछ हिस्सों में मांग 400 फीसद तक बढ़ गई। जिसके बाद सर्विस स्टेशन का स्टॉक खाली हो गया और कीमतें कई सालों के अपने सबसे ऊंचे स्तर

पर पहुंच गई थीं।

अल्बनीज शुक्रवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया में पेट्रोल, डीजल और तेल की सप्लाई सामान्य दिनों जितनी ही या उससे भी ज़्यादा होगी। चीन से जेट ईंधन के छह टैंकर शनिवार से 8 अप्रैल के बीच पहुंचने वाले हैं। ऑस्ट्रेलिया के ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन ने कहा कि चीन से सप्लाई अप्रैल के आखिर या मई की शुरुआत तक पक्की है। अल्बानीज़ ने कहा कि कमी एक सप्लाई से जुड़ी समस्या है जो मुख्य रूप से क्षेत्रीय इलाकों में है और देश में आने वाले ईंधन की मात्रा में कोई कमी नहीं आई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोग फिक्रमंद है मिडिल ईस्ट में हो रही जंग की वजह से, लेकिन ये दुनिया के अलग कोने में हो रही है। साथ ही लोगों को विश्वास दिलाया कि इसका असर ऑस्ट्रेलिया पर नहीं पड़ेंगा।

ये आश्वासन तब आए जब मांग का स्तर बढ़ गया। विक्टोरिया की ऊर्जा मंत्री लिली डी'एम्ब्रोसियो ने कहा कि राज्य के कुछ हिस्सों में मांग 300 से 400 फीसद तक बढ़ गई है, जिसके चलते मंगलवार को 100 से ज़्यादा सर्विस स्टेशनों पर पेट्रोल और 80 से ज़्यादा पर डीजल खत्म हो गया।

भारत में एक्साइट ड्यूटी की गई कम

भारत सरकार ने ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की मदद के लिए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद फी घटा दी है। ताकि सप्लाई चैन में रुकावट के बावजूद कंपनियों पर ईंधन के दाम बढ़ाने के दबाव को कम किया जा सके। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को वेस्ट ऐशिया के हालातों पर राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक की।

एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल का मेल अकाउंट भी नहीं सेफ, हैक करने वाला हंडाला ग्रुप कौन?

तेहरान, एजेंसी। फरवरी के आखिर में अमेरिका और इजराइल के ईरान में हवाई हमलों का एक बड़ा अभियान शुरू करने के बाद, ईरान ने ऐलान किया था कि वह इन हमलों का जवाब देगा और जवाब में साइबर हमले भी शामिल होंगे। ईरान की IRGC और सेना जहां इजराइल और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना रही है, वहीं ईरान से जुड़े हैकर भी अपने हमले जारी रखे हुए हैं।

ईरान से जुड़ा एक हैकर ग्रुप Handala ने अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई पर हमला करने की अपनी धमकी को सच कर दिखाया है। ग्रुप ने एफबीआई के डायरेक्टर काश पटेल के पर्सनल ईमेल को हैक कर लिया। Handala ने गुरुवार को टेलीग्राम पर चेतावनी देते हुए कहा था कि एफबीआई में सेंधमारी जल्द

ही होने वाली है। ग्रुप ने लिखा, "जल्द ही आपको एहसास हो जाएगा कि एफबीआई की सुरक्षा एक मज़ाक से ज़्यादा कुछ नहीं थी।"

हंडाला हैकर ग्रुप एक प्रो-फिलिस्तीनी हैक्टिविस्ट ग्रुप है जो मुख्य रूप से इजराइल और अमेरिका के खिलाफ साइबर अटैक करता है। यह खुद को फिलिस्तीन प्रतिरोध का समर्थक बताता है, लेकिन साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों मुताबिक यह ईरान की इंटेलिजेंस मिनिस्ट्री (MOIS) से जुड़ा हुआ है। इसे ईरानी सरकार की साइबर यूनिट का एक पब्लिक फ्रंट या पर्सोना माना जाता है।

नाम हंडाला प्रसिद्ध फिलिस्तीनी कार्टूनिस्ट नाजी अल-अली के 1969 के कार्टून कैरेक्टर से लिया गया है। यह एक 10 साल का नंगे पैर का लड़का है जो पीठ दिखाकर खड़ा रहता है, यह फिलिस्तीन प्रतिरोध, धैर्य और विदेशी समाधानों की अस्वीकृति का प्रतीक है। ग्रुप इसी इमेज और थीम का इस्तेमाल अपनी ब्रांडिंग में करता है।

क्यों बना हंडाला हैकर?

ये ग्रुप 2023 में दुनिया की नजरों में आया ये खुद को फिलिस्तीन विजिलैंट हैकर्स बताता है, जो इजराइल की सैन्य, डिफेंस, हेल्थकेयर, इंफ्रास्ट्रक्चर और सिविलियन टारगेट्स पर अटैक करके प्रतिरोध दिखाता है। यह hack-and-leak (डेटा चुराना और लीक करना), wiper malware (डेटा मिटाने वाला वायरस), DDoS, वेबसाइट डिफेसमेंट जैसी तकनीकें इस्तेमाल करता है।

'बंगाल से भाजपा का अंत तय', ममता बनर्जी का भाजपा पर बड़ा हमला, कहा- पूरे देश की सत्ता गंवानी पड़ेगी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजनीति में चुनावी गर्मी तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि अगर भाजपा बंगाल को कमजोर करने की कोशिश करेगी, तो उसे पूरे देश की सत्ता गंवानी पड़ेगी। रानीगंज में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता ने साफ कहा कि बंगाल की जनता भाजपा को जवाब देगी। और बंगाल से भाजपा का अंत करेगी।

रैली में ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी लगातार चौथी बार विधानसभा चुनाव जीतकर सत्ता में आएगी। उन्होंने यह भी एलान किया कि जीत के बाद वह सभी विपक्षी दलों को साथ लेकर दिल्ली की सत्ता को चुनौती देंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अगर राज्य में आई तो बुलडोजर राजनीति करेगी और लोगों को उनके घरों से बाहर कर देगी।

क्या भाजपा को बंगाल से देश में नुकसान होगा?

ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा बंगाल को निशाना बना रही है, लेकिन इसका असर उल्टा पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि बंगाल को कमजोर करने की कोशिश भाजपा के लिए पूरे देश में भारी पड़ेगी। उनके मुताबिक, जनता भाजपा की नीतियों से नाराज है और आने वाले चुनाव में इसका जवाब देगी।

चुनाव आयोग पर क्या आरोप लगाए?

ममता ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के दौरान नाम हटाए जा रहे हैं। उनका कहना है कि यह काम भाजपा के इशारे पर हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि इसकी एक सीमा होती है, लेकिन भाजपा हर सीमा पार कर रही है।

राम नवमी हिंसा क्या बोलीं ममता

मुर्शिदाबाद के रघुनाथगंज इलाके में राम नवमी के जुलूस के दौरान हुई हिंसा को लेकर भी ममता ने बयान दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने समय पर कार्रवाई नहीं की। उन्होंने वादा किया कि सत्ता में लौटने के बाद दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। राम नवमी के दौरान कई जगह पत्थरबाजी, आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आईं। इसके बाद पुलिस ने जंगीपुर और रघुनाथगंज इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है। चुनावी माहौल में इन घटनाओं ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिल्ली की कुर्सी पर भी ममता की नजर

ममता बनर्जी ने साफ संकेत दिया कि उनका लक्ष्य सिर्फ बंगाल तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि वह विपक्षी दलों को एकजुट कर दिल्ली में भी भाजपा को चुनौती देंगी। इससे साफ है कि आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति में भी टकराव और तेज हो सकता है।

तमिलनाडु चुनाव : कांग्रेस सांसद ने सीट चयन में पारदर्शिता न होने पर जताई नाराजगी, पार्टी हित पर भी किया सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद एस. ज्योतिमणि (करूर) ने तमिलनाडु में अप्रैल 23 को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए डीएमके गठबंधन में सीट चयन प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इस प्रक्रिया में कुल पारदर्शिता की कमी है और पार्टी के हित पूरी तरह से समझौते का शिकार हो गए हैं।

ज्योतिमणि ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि सीटों के चयन में कोई पारदर्शिता नहीं है। हमारा सुझाव कि सीटों का चयन विस्तृत चर्चा और पारदर्शिता के साथ किया जाए, उसे जिम्मेदार अधिकारियों ने खारिज कर दिया। कांग्रेस को इस गठबंधन में कुल 28 सीटें दी गई हैं।

पार्टी पर लगाए गंभीर आरोप

सांसद के यह बयान ऐसे समय में आया है जब तमिलनाडु की प्रमुख राजनीतिक पार्टियां जैसे डीएमके और एआईएडीएमके आगामी चुनाव की रणनीतियां अंतिम रूप दे रही हैं। इसके साथ ही विजय की तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) जैसी नई पार्टियां भी ध्यान खींच रही हैं। ज्योतिमणि ने राज्य नेतृत्व पर सीट-साझा और चयन प्रक्रिया को गुप्त तरीके से करने का आरोप लगाया और कहा कि पार्टी के मेहनती कार्यकर्ताओं के वर्षों के योगदान की अनदेखी की जा रही है।

'कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत को बेच रहे'

उन्होंने कहा यह देखना दुखद है कि पार्टी में योगदान न देने वाले लोग कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत को बेच रहे हैं। सांसद ने चेतावनी दी कि अगर यह 'मर्चेंट या बिक्री आधारित दृष्टिकोण' जारी रहा, तो तमिलनाडु में कांग्रेस पार्टी को कोई नहीं बचा सकता। ज्योतिमणि ने संकेत दिया कि वह इस मामले पर चुप नहीं रहेंगी और सीटों व उम्मीदवारों की आधिकारिक सूची सार्वजनिक होने पर और विस्तृत बयान देंगी। तमिलनाडु विधानसभा में कुल 234 सीटें हैं और चुनाव 23 अप्रैल को एक चरण में होंगे।

बड़ी अभिनेत्रियों को पीछे छोड़ वामिका गब्बी बनीं मेकर्स की पहली पसंद, साल 2026 में रिलीज होगी 7 बड़ी फिल्में

अक्षय कुमार के साथ भूत-बंगला से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली वामिका गब्बी के लिए साल 2026 बेहतरीन होने वाला है क्योंकि अभिनेत्री सिर्फ हिंदी सिनेमा में ही नहीं, बल्कि मलयालम और तमिल सिनेमा में भी धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री की एक नहीं, बल्कि 7 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर इस साल दस्तक दे सकती हैं, जो कॉमेडी से लेकर एक्शन के जॉनर में होने वाली हैं। इन सभी फिल्मों में अभिनेत्रियों का अलग-अलग अवतार फैंस को देखने को मिलने वाला है। वामिका भूत-बंगला के साथ 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। फिल्म हॉरर और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल होने वाली है। फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं, और ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि दर्शक डरने के साथ पेट पकड़कर हंसने भी वाले हैं। वामिका 4 साल बाद मलयालम सिनेमा में वापसी के लिए तैयार हैं। वह टिकी टाका फिल्म में अभिनेत्री आसिफ अली के साथ लीड रोल में दिखने वाली हैं। फिल्म पहली 2025 में दिसंबर के महीने में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब फिल्म मई के महीने में रिलीज हो सकती है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं, जो पहले से ही अपनी एक्शन से भरपूर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

सिर्फ मलयालम में ही नहीं, वामिका तमिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म जिनी में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाली है। फिल्म का निर्देशन अर्जुनन जूनियर कर रहे हैं और फिल्म में वामिका के अलावा, जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन भी लीड रोल में हैं। अभी तक फिल्म का पोस्टर सामने आया है जिसमें सभी लोग काल्पनिक किरदारों में दिख रहे हैं। फिल्म इसी साल, 2026, में रिलीज होगी।

इसके अलावा वामिका दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग और पति पत्नी और वो दो में दिखने वाली हैं। दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग रोमांटिक और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल है, जबकि पति पत्नी और वो दो में जबरदस्त कॉमेडी और रिश्तों की नोक-झोंक दिखने वाली है। दोनों ही फिल्में इसी साल पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग की शूटिंग भी लगभग पूरी हो चुकी है।

वामिका किकली के जरिए पंजाबी सिनेमा में भी एक्शन करती नजर आने वाली है। किकली आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म में मंदी तखर और जोबनप्रीत लीड रोल में हैं। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन माना जाता है कि फिल्म इस साल के आखिर तक रिलीज हो जाएगी। वहीं, अभिनेत्री एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म जी-2 में भी दिखने वाली है। कहा जाता रहा है कि फिल्म मई के आखिर में रिलीज हो सकती है।

चॉकलेटी गाउन में कियारा आडवानी ने फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर

कियारा आडवाणी ने हाल ही में मुंबई के एक अवॉर्ड फंक्शन में अपनी शानदार मौजूदगी से सबका ध्यान खींच लिया। उनका लुक इतना ग्लैमरस और क्लासी था कि फैंस उन्हें देखते ही रह गए। मां बनने के बाद उनके चेहरे पर एक अलग ही चमक और कॉन्फिडेंस नजर आया, जो उन्हें और खास बना रहा था। इसी बीच आइए कियारा की तस्वीरों और उनके लुक को देखते हैं।

कियारा ने अपने बालों को खुला रखा और हल्के वेव्स में स्टाइल किया। बालों का सॉफ्ट और नेचुरल लुक उनके चेहरे को बहुत खूबसूरती से फ्रेम कर रहा है।

कियारा ने ब्राउन शेड की बॉडी-हगिंग ड्रेस पहनी है, जो उनके फिगर को खूबसूरती से हाइलाइट कर रही है। ड्रेस का डिजाइन सिंपल होते हुए भी काफी स्टाइलिश था।

उनका मेकअप बहुत सटल और एलिगेंट है। ग्लोइंग स्किन, स्मोकी आईज और न्यूड लिप्स ने उनके चेहरे की नैचुरल ब्यूटी को और निखार दिया।

ड्रेस की डीप नेकलाइन और स्लीक डिजाइन ने उनके लुक को बोल्ड और अट्रैक्टिव बना दिया, जिससे लोगों की नजरें उनसे हट ही नहीं पा रही

थी। कियारा ने अपने लुक को मिनिमल रखते हुए सिर्फ एक स्टाइलिश चोकर नेकलेस पहना। यह ज्वेलरी उनके आउटफिट के साथ बहुत अच्छी लग रही थी।

उनकी बॉडी लैंग्वेज कॉन्फिडेंट और ग्रेसफुल थी। कैमरे के सामने उनके हर पोज में एक अलग ही चार्म दिख रहा था, जो उनकी पर्सनालिटी को और खास बना रहा था।

कियारा के लुक और उनकी प्रेजेंस ने इस शाम को खास बना दिया। सोशल मीडिया पर आई तस्वीरें अब फैंस के बीच वायरल हो गई है और हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है।

'धुरंधर 2' ने दुनियाभर में काट दिया गदर, कलेक्शन हुआ 1000 करोड़ के पार, पठान, आरआरआर, केजीएफ 2 समेत इन फिल्मों को पछाड़ा

धुरंधर 2 ने अपनी रिलीज का एक हफ्ता पूरा कर लिया है। धुरंधर 2 बीती 19 मार्च को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म का पेड प्रीव्यू शो भी चला था। फिल्म ने पेड प्रीव्यू और ओपनिंग डे पर मिलकर 145 करोड़ रुपये कमाए थे। अब सात दिनों में फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1000 करोड़ रुपये के पार जा चुका है। दूसरी तरफ भारत में धुरंधर 2 ने 600 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा लिए हैं। फिल्म धुरंधर 2 ने सातवें दिन की कमाई से भी कई फिल्मों के रिकॉर्ड मिट्टी में मिला दिए हैं। चलिए जानते हैं धुरंधर 2 ने सातवें दिन कितनी कमाई की है और क्या-क्या रिकॉर्ड तोड़े और बनाए हैं।

धुरंधर 2 ने सात दिनों में वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ रुपये कमाकर दूसरी सबसे तेज 1000 करोड़ रुपये कमाने वाली फिल्म का खिताब अपने नाम कर लिया है। अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा 2 ने 6 दिनों में सबसे तेज वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। प्रभास की बाहुबली 2 ने 9 दिनों में 1000 करोड़ रुपये कमाए थे। इस लिस्ट में धुरंधर 2 ने बाहुबली 2 के साथ-साथ आरआरआर, केजीएफ चैप्टर 2, कल्कि 2898 एडी और पठान, जवान को भी पीछे छोड़ दिया है। अब अपने आठवें दिन की कमाई से धुरंधर 2 शाहरुख की पठान और प्रभास की कल्कि 2898 एडी के लाइफटाइम वर्ल्डवाइड कलेक्शन (1050 करोड़ रुपये) का रिकॉर्ड तोड़ने जा रही है।

वहीं, बात करें फिल्म के सातवें दिन के कलेक्शन की तो बता दें, फिल्म की कमाई में 16 फीसदी की गिरावट महसूस हुई और फिल्म ने 47.70 करोड़ रुपये की कमाई की। इसी के साथ फिल्म का भारत में कुल नेट कलेक्शन 623 करोड़ रुपये हो गया है। कहा जा रहा है कि इस वीकेंड फिल्म भारत में 800 करोड़ रुपये आसानी से कमा लेगी। साथ ही वर्ल्डवाइड धुरंधर के लाइफटाइम कलेक्शन 1300 करोड़ रुपये का भी रिकॉर्ड तोड़ सकती है। विदेशों में धुरंधर 2 अभ तक 261 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है। वर्ल्डवाइड फिल्म का कलेक्शन 1006 करोड़ रुपये हो गया है।

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधरः द रिवेंज बीती 19 मार्च को वर्ल्डवाइड रिलीज हुई। फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, आर माधवन, सारा अर्जुन, अर्जुन रामपाल और राकेश बेदी अहम रोल में नजर आ रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com